@poorvapost facebook.com/poorvapost

पूर्वांचल की सामाजिक आर्थिक साप्ताहिकी

पूर्वापोस्ट

₹5 मूल्य

दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, लखनऊ, इलाहाबाद, वाराणसी और गोरखपुर में प्रसारित

poorvapost.com

वर्ष 4 | अंक 25 | पृष्ठ 16 | 13-19 अगस्त 2019, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर

खुद को साबित कर संगीत की राह पर चल रही निकिता

देखें पृष्ठ 3 पर

फिल्मी सितारों की मौजूदगी में 1090 चौराहे पर मनेगा आज़ादी का जश्न

देखें पृष्ठ 7 पर

जम्मू कश्मीर में 370, 35ए हटाये जाने से खुश होकर पीएम को भेजी राखी

देखें पृष्ठ 4 पर

अगस्त क्रांति पर बीजेपी सरकार का पौधारोपण अभियान

हर व्यक्ति एक पौधे को गोद ले और उसका पोषण करे- सूचना राज्य मंत्री

पूर्वापोस्ट संवाददाता।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर प्रदेश भर में वृहद एक दिनी 22 करोड़ी वृक्षारोपण के अवसर पर वाराणसी में वृहद वृक्षारोपण हुआ। सुबह से ही पूरे जनपद में गांव से लेकर शहरी क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर वृक्षारोपण कार्य शुरू हुआ।

गढ्ढे पहले से खोदे गए थे। पौधों की पूर्व दिवस में ही व्यवस्था कर ली गई थी। सरकारी कार्मिकों की विभागों में क्षेत्रवार ड्यूटी लगाई गई थी। वृक्षारोपण में विभिन्न सामाजिक संगठनों, निजी संस्थाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। विकासखंड सेवापुरी के ग्राम राखी नेवादा में गांधी उपवन वाटिका तथा पंचवटी की स्थापना की गई।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के विधि न्याय, युवा कल्याण, खेल एवं सूचना राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने बरगद, शासन से आए पर्यवेक्षण अधिकारी डॉ रजनीश दुबे ने पीपल, कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बेल, जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने आंवला, मुख्य वन संरक्षक के0के0 पांडेय ने अशोक का पौधा रोपण किया।

शेष खबर पृष्ठ 9 पर

प्रदेश सरकार यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुगम्य बनाने हेतु दृढ़ संकल्पित : उपमुख्यमंत्री

लखनऊ संवाददाता।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज प्रयागराज मे अपने आवास पर दूरदराज से आये लोगो की समस्याएं सुनी और सम्बन्धित अधिकारियों को दिए समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए। श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद राजकीय उद्यान प्रयागराज में स्थानीय सहयोगियों के साथ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए वहां पर वृक्षारोपण किया और लोगों का आह्वान किया कि वर्षा काल पौधे रोपित करने का अनुकूल समय होता है। ज्यादा से ज्यादा लोग वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने वृक्षों की महत्ता व उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री अनिरुद्ध पटेल व श्री चंद्रेश केसरवानी के आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी व दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

शेष खबर पृष्ठ 8 पर

मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने नवजात बच्चों के परिजनों को पौधा उपहार देकर लगाने का दिया निर्देश

पूर्वापोस्ट संवाददाता।

गोण्डा। वृक्षारोपण महाअभियान के अवसर पर पूरे जिले में वृक्षारोपण कार्यक्रमों की धूम रही। जिले के प्रभारी मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने नगर के प्रतिष्ठित एलबीएस पीजी कालेज में पहुंच विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह व भाजपा के प्रदेश मंत्री अनूप गुप्ता के साथ पौधरोपण किया। पौधरोपण के बाद आयोजित समारोह में उन्होने कहा कि इस बार प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में एक दिन में बाइस करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसमें से उनके प्रभार वाले जनपद गोण्डा में 43 लाख से अधिक पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया था। उन्होने पोधरोपण महाअभियान की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा पहली बार पौधरोपण के लिए आकस्मिक निधि से सौ करोड़ रूपए दिए गए हैं और अभियान को सफल बनाने के लिए 23 विभागों का सहयोग लिया गया। उन्होने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला अस्पताल व सभी सीएचसी व पीएचसी पर जन्म लेने वाले नवजातों के परिजनों को एक-एक पौधा निःशुल्क देने वा उसका रोपण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले के सभी महाविद्यालयों, कालेजों व स्कूलों के प्रबन्धकों से समन्वय बनाकर हर छात्र-छात्रा को पौधा देने व उसका रोपण कराने के निर्देश दिए।

शेष खबर पृष्ठ 9 पर

राज्य सरकार ने किए आठ आईएएस और 10 पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ संवाददाता।

राज्य सरकार ने शनिवार देर रात एक साथ आठ आईएएस व 10 पीसीएस अधिकारियों के तबादला कर दिया। सोनभद्र हत्याकांड में 10 लोगों की मौत के बाद वहां से हटाए तत्कालीन जिलाधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल को विशेष सचिव नियोजन बनाया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पद से मुक्त होने के बाद तैनाती की प्रतीक्षा कर रहे एल. वेंकटेश्वर लू को यूपी प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी तथा दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान लखनऊ का महानिदेशक बनाया गया है।

इसके अलावा कृषि उत्पादन आयुक्त के पद पर वरिष्ठ आईएएस अधिकारी आरके तिवारी तैनाती के बाद आयुक्त शाखा में विशेष सचिव के रिक्त पदों पर तीन अफसरों की तैनाती कर दी है। शाहिद मंजर अब्बास रिजवी, राजेंद्र सिंह-द्वितीय व नरेंद्र प्रसाद पांडेय विशेष सचिव बनाए गए हैं।

राज्य पोषण मिशन में नियमित निदेशक की तैनाती कर दी गई है। भूमि सुधार निगम के एमडी अजय यादव को अब राज्य पोषण मिशन का निदेशक बना दिया गया है। अब वह भूमि सुधार निगम का कार्य अतिरिक्त रूप से देखेंगे। पीसीएस अधिकारी अनिल कुमार सिंह को आवास विकास परिषद लखनऊ में संयुक्त आवास आयुक्त बनाया गया है।

पूर्व राज्यसभा सदस्य संजय सेठ और सुरेंद्र सिंह नागर भाजपा में शामिल

लखनऊ संवाददाता।

समाजवादी पार्टी के पूर्व राज्यसभा सांसद संजय सेठ और सुरेंद्र सिंह नाग शनिवार को भाजपा में शामिल हो गए। सेठ और नागर ने पिछले दिनों ही समाजवादी पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद से ही अटकलें लगाई जा रही थीं कि दोनों लोग भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

संजय सेठ को समाजवादी पार्टी के संस्थापक और संरक्षक मुलायम सिंह यादव का काफी करीबी माना जाता रहा है। पिछले एक महीने में समाजवादी पार्टी और राज्यसभा से इस्तीफा देने वाले संजय सेठ तीसरे सांसद हैं। इससे पहले नीरज शेखर और सुरेंद्र नागर ने भी राज्यसभा और एसपी से अपना इस्तीफा दे दिया था। नीरज शेखर पहले ही बीजेपी जॉइन कर चुके हैं।

संजय सेठ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भी थे। उनके यादव परिवार के साथ बहुत ही पारिवारिक संबंध थे। सेठ का कार्यकाल 2022 तक था। संजय सेठ सेंट्रल उत्तर प्रदेश में सबसे बड़े बिल्डरों में से एक हैं। बताया जाता है कि संजय सेठ मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव के बिजनस पार्टनर भी हैं। संजय सेठ के इस्तीफा देने के बाद राज्यसभा में एसपी के सिर्फ दस सांसद रह गए हैं।

उधर, कांग्रेस के भी नेता लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। पिछले दिनों गांधी परिवार के करीबी रहे संजय सिंह ने राज्यसभा से इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन किया था। उसके बाद पार्टी नेता भुवनेश्वर कलिता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद कलिता भी भाजपा में शामिल हो गए थे।

मायावती का केंद्र को समर्थन; बोलीं- कश्मीरियों को फायदा मिले, अखिलेश यादव ने बताया एकतरफा निर्णय

लखनऊ।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाने और राज्य के बंटवारे पर बसपा प्रमुख मायावती ने राजनीतिक विरोध के बावजूद मोदी सरकार का समर्थन किया। मंगलवार को मायावती ने ट्वीट कर कहा, संविधान की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय की मंशा को पूरे देश में लागू करने के लिए जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 व 35 ए को हटाने की मांग लंबे समय चल रही थी। उम्मीद है केंद्र सरकार के फैसले का सही लाभ वहां के लोगों को मिलेगा। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसे केंद्र सरकार का एकतरफा निर्णय करार दिया।

लोकतंत्र में छल, कपट, बल का उपयोग लोकतांत्रिक नियमों का उल्लंघन : अखिलेश

मायावती ने कहा, जम्मू-कश्मीर के लेह-लद्दाख को अलग से केन्द्र शासित क्षेत्र घोषित किए जाने से खासकर वहां के बौद्ध समुदाय के लोगों की बहुत पुरानी मांग पूरी हुई। जिसका बसपा स्वागत करती है। इससे पूरे देश में विशेषकर बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर के बौद्ध अनुयायी खुश हैं।

बसपा प्रमुख ने कहा कि संविधान की सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय की मंशा को देश भर में लागू करने हेतु जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा सम्बंधी अनुच्छेद 370 व 35ए को हटाने की मांग काफी लंबे समय से थी। अब बसपा उम्मीद करती है कि इस सम्बंध में केन्द्र सरकार के फैसले का सही लाभ वहां के लोगों को आगे मिलेगा।

वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश ने कहा कि देश की एकता और अखंडता को मजबूती प्रदान करने की दिशा में उठाए गए किसी भी कदम का स्वागत है। लेकिन लोकतंत्र में छल, कपट, बल का उपयोग लोकतांत्रिक नियमों का उल्लंघन है। सहमति और भरोसे से फैसले होने चाहिए। सभी दलों को बातचीत का हिस्सा बनाना चाहिए। एकतरफा निर्णय से विवाद पैदा होता है।

राजा भैया ने किया समर्थन, अखिलेश बोले- पाक अधिकृत कश्मीर का क्या होगा ?

लखनऊ/प्रतापगढ़। केंद्र सरकार द्वारा जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने का जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के अध्यक्ष कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने समर्थन किया। वहीं, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा पर संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कहा कि, अब पाक अधिकृत कश्मीर का क्या होगा? वहीं, बसपा ने इसका समर्थन किया है।

अखिलेश यादव ने कहा कि, देश आपसी विमर्श से चलेगा। यहां पर सबकी सहमति से ही किसी भी मसले का हल निकलेगा। सभी हमारे लोग हैं, सबसे बात होनी चाहिए। किसी को भी दबाना नहीं चाहिए। कहीं नेताओं को नजरबंद कर देना। संस्थाओं को अपने दबाव में लेना भारतीय जनता पार्टी से कोई सीखे।

अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के सवाल पर अखिलेश ने कहा कि, सवाल कश्मीर का ही नहीं है, अगला सवाल यह है कि पाक अधिकृत कश्मीर का क्या होगा? कहा कि संवैधानिक संस्थाएं भाजपा सरकार के नियंत्रण में आ चुकी हैं। ऐसे में आम आदमी इंसाफ के लिए किसके पास जाएं?

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा भैया ने अनुच्छेद 370 को हटाए जाने की सिफारिश पर मोदी सरकार का समर्थन किया है। कहा कि, जम्मू कश्मीर भारत का अविभाज्य अंग है। एक अस्थायी धारा 75 सालों तक हावी रही। संविधान ने सबको बराबरी का हक दिया है। मोदी सरकार के इस फैसले का जनसत्ता दल लोकतांत्रिक समर्थन करती है।

हमें पता था विवाद सुलझाने में मध्यस्थता की कोशिश बेकार साबित होगी : योगी

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अयोध्या पहुंचे। यहां सबसे पहले उन्होंने भगवान राम की प्रतिमा के लिए प्रस्तावित स्थापना स्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद महंत परमहंस रामचंद्र दास के पुण्यतिथि समारोह में पहुंचे। यहां उन्होंने महंत को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान योगी ने कहा- हम पहले से जानते थे कि मंदिर-मस्जिद केस को सुलझाने में मध्यस्थता की कोशिश बेकार होगी। क्योंकि, पहले भी मध्यस्थता की कोशिशें नाकाम रही हैं। अब सुप्रीम कोर्ट में 6 अगस्त से नियमित सुनवाई शुरू हो रही है। सुप्रीम कोर्ट, हाईकोर्ट के निर्णय के परिमार्जन में जनभावनाओं का सम्मान करेगा। मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी का अयोध्या का आठवां दौरा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या को हम पर्यटन के शिखर पर ले जाना चाहते हैं। इसके लिए सरकार लगातार कदम उठा रही है। कुछ दिनों बाद बड़ी योजनाएं जमीन पर दिखेंगी। दीपोत्सव को सारे विश्व मे सराहना मिली। अब त्रेतायुग को पहचान अयोध्या में रिक्रिएट करके रामायण काल के म्यूजियम को अंतिम रूप दिए जाने की योजना पर काम हो रहा है। योगी ने राम मंदिर आंदोलन से जुड़े संत दिवंगत रामचंद्र दास के नाम से दिगम्बर अखाडा के परिसर में निर्मित बहुउद्देश्यीय हाल का उद्घाटन किया। शुक्रवार को अयोध्या मसले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई थी। इसमें मध्यस्थता से विवाद न हल हो पाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने रोज सुनवाई की बात कही है। यह सुनवाई 6 अगस्त से शुरू होगी। उम्मीद जताई जा रही है कि 60 दिन के भीतर सुनवाई पूरी हो जाएगी।

जैसे अटलजी ने इंदिरा को दुर्गा कहा था, वैसे कांग्रेस भी मोदी को शाबाशी दे सकती थी

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

जम्मू-कश्मीर के सवाल पर संसद में विपक्षी नेताओं ने जो तर्क दिए, वे कितने लचर-पचर और बेतुके थे ? इनके हल्केपन का सबसे बड़ा प्रमाण तो यही था कि जब ये तर्क दिए जा रहे थे और तर्क करने वाले घूंसा तान-तानकर और हाथ-हाथ हिलाकर भाषण झाड़ रहे थे, तब उनकी अपनी पार्टी के लोग भी ताली तक नहीं बजा रहे थे। अपने मुरझाए हुए चेहरों को लेकर वे दाएं-बाएं देख रहे थे। गुलाम नबी आजाद के भाषण के वक्त उनके साथ बैठे कांग्रेसी सांसदों के चेहरे देखने लायक थे। गुलाम नबी ने कहा कि भाजपा सरकार ने भारत माता के सिर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए हैं। कश्मीर को भारत का मस्तक माना जाता है, यह ठीक है लेकिन लद्दाख को उससे अलग करना उसके टुकड़े-टुकड़े करना कैसे हो गया ?

यह ठीक है कि भाजपा नेता धारा 370 और 35ए को खत्म करने के पहले कुछ कश्मीरी नेताओं को साथ ले लेते तो बेहतर होता या कुछ कश्मीरी जनमत को प्रभावित कर लेते तो आदर्श स्थिति होती लेकिन क्या यह व्यावहारिक था ? पाकिस्तानी प्रोपेगंडे, पैसे और हथियारों के आगे सीना तानने या मुंह खोलने की हिम्मत किस कश्मीरी नेता में थी ? कांग्रेसी नेताओं का यह तर्क भी बड़ा बोदा है कि भाजपा सरकार ने कश्मीर के साथ बहुत धोखाधड़ी की है। नेहरु के वादे को भंग कर दिया है। ऐसा लगता है कि हमारे कांग्रेसी मित्र सिर्फ विरोध के लिए विरोध कर रहे हैं। क्या अब वे जनमत-संग्रह के लिए तैयार थे ? अपने 50-55 साल के शासन में उन्होंने यह क्यों नहीं करवाया ? सिर्फ 370 और 35ए का ढोंग करते रहे। अब उनके सारे विरोध की तान इसी बात पर टूट रही है कि जम्मू-कश्मीर को केंद्र-प्रशासित क्षेत्र क्यों घोषित किया गया है ?

गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कर दिया है कि कश्मीर के हालात ठीक रहे तो उसे पूर्ण राज्य का दर्जा भी दिया जा सकता है। कश्मीर के सवाल पर पूरा पाकिस्तान एक आवाज में भारत की निंदा कर रहा है लेकिन भारत को देखिए कि इसी मुद्दे पर हमारा विपक्ष जूतों में दाल बांट रहा है। हमारे विपक्ष ने खुद को मसखरा या जोकर बना लिया है। कांग्रेस-जैसी महान पार्टी ने कश्मीर के पूर्ण विलय का विरोध करके खुद को कब्र में उतार लिया है। यह भारतीय लोकतंत्र का दुर्भाग्य है। अटलजी ने 1971 में जैसे बांग्लादेश पर इंदिरा गांधी का अभिनंदन किया था, वैसे ही कांग्रेस भी कश्मीर पर मोदी और शाह को शाबाशी दे सकती थी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक और संपादक **अवतंस कुमार चित्रांश** द्वारा वत्स ऑफसेट, मुद्रा हाउस, सी ब्लॉक, बारात घर के सामने, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर 22 जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित एवं चौड़ा, रघुनाथपुर, सेक्टर-22 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर यूपी से प्रकाशित।
RNI NO. UPHIN/2016/66940 किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। **प्रबंध संपादक :** रौनक, **सीईओ :** अभय सिंह, **विधि सलाहकार :** शशांक शेखर त्रिपाठी (एडवोकेट), whatsapp No. 8802651540, info.poorva@gmail.com

खुद को साबित कर संगीत की राह पर चल रही निकिता

लखनऊ।

संगीत के सुरों में अपना भविष्य रही गिटारिस्ट निकिता बताती है कि संगीत से उनका गहरा नाता बचपन से है, विगत 9 सालों से बच्चों को भी संगीत सिखा रही है। वर्तमान में वह एक स्कूल में म्यूजिक शिक्षक होने के साथ-साथ अपने खुद के दो म्यूजिक इंस्टिट्यूट चला रही है। शुरुआत में परिवार भी खिलाफ था। किसी का सपोर्ट नहीं मिला। लेकिन मैंने तब भी हार नहीं मानी हालातों को चुनौती देकर पढ़ाना शुरू किया और अपने इंस्ट्रूमेंटल का खर्च खुद ही निकालती थी क्योंकि फैमिली म्यूजिक के नाम पर कुछ नहीं देना चाहती थी।

उन्होंने बताया कि बहुत से लोगों की बहुत सी बातें सुनने को भी मिली लोग कहते थे कि ÷गवईया बनेगी और बन के करेगी क्या गायेगी घूम घूम के।÷ लेकिन मैंने सबकी बातों को अनसुना कर दिया और बस म्यूजिक पर फोकस किया। अगर किसी ने सपोर्ट किया तो वह है मेरी दादी और। अब मैं अपने 2 म्यूजिक इंस्टिट्यूट चलाती हूँ और भी इंस्टिट्यूट खोलने की प्लांनिग में हूँ। जब एक बार ये शिलशिला शुरू हो गया तो थमने का नाम नहीं लेगा।

गिटारिस्ट निकिता अपनी जिंदगी के अनछुए पहलुओं को हमारे सवाददाता के साथ साझा करती हुई कहती है कि मैं हमेशा अपने सपने अपने स्टूडेंट्स से पूरे करते हुए उन्हें म्यूजिक में एक सही राह दिखा रही जिससे वह वो सारी चीजें कर सके जो मै न कर सकी। मेरा सपना प्लेबैक बॉलीबुड सिंगर बनना है जो एक दिन बनकर रहूंगी।

उन्होंने बताया कि खुद को खड़ा करने में किसी से हैल्प नहीं ली, जो किया मैने खुद के दम पे किया बिना किसी के आगे झुके क्योंकि मेरा स्वाभिमान बोलता है कि अपने आप पर भरोसा रखो जो हक का होगा खुद की मेहनत से मिलेगा। मै एक हत्तह के साथ जुड़कर भी काम कर रही हूँ ।

हर व्यक्ति के अंदर कोई न कोई प्रतिभा छिपी होती है और प्रतिभा उम्र की नहीं लेकिन प्रदर्शन की पूरक होती है, अपने मेहनत और लगन से सफलता की कहानियां रचने वाली तमाम प्रतिभाओं को उत्तर प्रदेश की माटी ने जन्म दिया है यूपी के देवरिया निवासी ऐसी ही एक प्रतिभा निकिता सिंह से बात की हमारे संवाददाता पारसमणि अग्रवाल ने

जम्मू कश्मीर में 370, 35ए हटाये जाने से खुश होकर पीएम को भेजी राखी

हरहुआ केहरीहर में हुई महादलित अधिकार न्यास की बैठक में जम्मू कश्मीर से 370,35 हटाये जाने से खुश होकर महादलित अधिकार न्यास की बहनों ने मोदी जी को बहुत बहुत धन्यवाद दिया और मोदी जी को अपने हाथ से बनी राखी भेजने के लिए महादलित अधिकार

चेतकुमार ने कहा कि पिछले 70 सालों से जम्मू कश्मीर व लद्दाख का महादलित समुदाय सिर्फ सफाई कर्मचारी का काम कर रहा था।और उनको वहाँ मनुष्य होने का भी अधिकार नहीं मिला था।अब भारत माता के लाल भारत के महान न्याय प्रिय प्रधानमंत्री जी ने वहाँ के महादलितों को मनुष्य होने का अहसास करवाया है।

न्यास के अध्यक्ष चेतकुमार बनवासी व सचिव शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट को सौंपा।

इसके पूर्व हुई बैठक में न्यास के अध्यक्ष चेतकुमार ने कहा कि पिछले 70 सालों से जम्मू कश्मीर व लद्दाख का महादलित समुदाय सिर्फ सफाई कर्मचारी का काम कर रहा था।और उनको वहाँ मनुष्य होने का भी अधिकार नहीं मिला था।अब भारत माता के लाल भारत के महान न्याय प्रिय प्रधानमंत्री जी ने वहाँ के महादलितों को मनुष्य होने का अहसास करवाया है।

बैठक का संचालन करते हुए न्यास के सचिव शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट ने कहा कि भारत अब पूर्ण रूप से स्वतंत्र हुआ है और अब जाकर जम्मू कश्मीर के महादलितों और कश्मीरी पंडितों के साथ न्याय हुआ है।

मोदी जी के इस निर्णय से खुश होकर महादलित समाज की सैकड़ों बहनों ने भारत के प्रधानमंत्री जी को अपना भाई व पिता संरक्षक मानते हुए उन्हें रक्षा सूत्र भेजने के लिये न्यास के अध्यक्ष चेतकुमार बनवासी व न्यास के सचिव शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट को सौंपा।

बैठक में व राखी भेजने वाली बहनो में प्रमुख रुप से हंसा देवी, मौला देवी, प्रभवति देवी, चंदा देवी, लीला देवी, निशा देवी, प्यारी देवी, श्याम प्यारी, गीता देवी, चमेली, कमला, सविता, अनिता, सुनीता, पुष्पा, आरती, संजू, सोनी, सरोजा, किरण, प्रीति, उर्मिला, जमुनि, शशिकला, शांति, रूपा, आरती देवी, मीना, फुल्ला, सबिता, सोनी, रेखा, पूनम, प्यारी बनवासी, रंभा तथा न्यास के उपाध्यक्ष शशिधर, छविनाथ कोषाध्यक्ष, सुक्खू कोटेदार, तथा अन्य लोग थे।

बैठक की अध्यक्षता चेतकुमार बनवासी ने किया और संचालन न्यास के सचिव शशांक शेखर त्रिपाठी एडवोकेट ने किया।

13 अगस्त को प्रियंका जाएंगी सोनभद्र, हत्याकांड के पीड़ितों से करेंगी मुलाकात

सोनभद्र।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी 13 अगस्त को सोनभद्र के दौरे पर आएंगी। प्रियंका यहां बीते माह घोरावल तहसील के उभ्भा गांव में जमीनी विवाद में हुई 10 लोगों की हत्या के मामले पीड़ित परिजनों से मुलाकात करेंगी। प्रियंका गांधी यहां दूसरी मर्तबा आ रही हैं। इससे पहले भी प्रियंका ने पीड़ित परिजनों से मुलाकात की थी और 10-10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी थी।

प्रियंका गांधी के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोनभद्र हत्याकांड के पीड़ितों से मिले थे। प्रियंका ने दोबारा दौरे का ऐलान किया है। ऐसे में एक बार फिर इस प्रकरण पर राजनीति तूल पकड़ने का अंदेशा जताया जा रहा है।

17 जुलाई को सोनभद्र जिले के घोरावल तहसील के उभ्भा गांव में प्रधान यज्ञदत्त भूर्तिया और उसके समर्थकों ने आदिवासियों की जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया था। विरोध करने पर 10 आदिवासियों को मार दिया गया। यह मामला घोरवाल जिले में यह 90 बीघा विवादित

जमीन का था। इसके बाद 19 जुलाई को प्रियंका गांधी सड़क मार्ग से सोनभद्र जा रही थीं। लेकिन उन्हें मिर्जापुर में रोक लिया गया था।

कहा गया कि, सोनभद्र में धारा 144 लागू है। ऐसे में राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के आने पर प्रतिबंध है। प्रियंका सोनभद्र जाकर लोगों से मिलना चाहती थीं, लेकिन पुलिस-प्रशासन ने उन्हें मिर्जापुर के नारायणपुर गांव में ही रोक लिया था। बाद में प्रियंका को चुनार गेस्ट हाउस ले जाया गया।

यहां 24 घंटे के बाद प्रशासन ने सोनभद्र हत्याकांड के पीड़ितों से प्रियंका की मुलाकात कराई गई थी। 26 घंटे के बाद प्रियंका ने धरना खत्म किया था। प्रियंका ने कहा था कि, इनके साथ घोर अन्याय हुआ है और हम इस घड़ी में उनके साथ हैं और उनकी लड़ाई लड़ेंगे।

बीते दिनों सीएम योगी आदित्यनाथ ने हत्याकांड की जांच रिपोर्ट आने के बाद डीएम व एसपी को हटा दिया था। इसके अलावा नौ गजेटेड व सात नॉन गजेटेड अधिकारियों पर भी कार्रवाई की थी। इस मामले की जांच एसआईटी कर रही है, जो अपनी रिपोर्ट तीन माह में सीएम को सौंपेगी। सीएम ने कहा था कि, इस कांड के लिए कांग्रेस सरकार की जिम्मेदार है, क्योंकि उन्हीं के सरकार में जमीनों को सोसाइटी के नाम दर्ज किया गया था।

रामपुर आने पर बढ़ेंगी सपा सांसद आजम की मुश्किलें, हो सकती है गिरफ्तारी

रामपुर संवाददाता।

समाजवादी पार्टी के सांसद आजम खान के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं। भूमाफिया घोषित होने के बाद वह करीब एक माह से गृह जनपद रामपुर नहीं आए हैं। आमतौर पर वह शनिवार और रविवार को पैतृक निवास रामपुर में ही बिताते थे। लोकसभा चुनाव में सपा की दिग्गज नेता जयाप्रदा को हराने वाले आजम खान पर अब किसानों की जमीन, नदियों की जमीन कब्जा करने का आरोप है। इसके बाद सरकार ने उन्हें भू माफिया भी घोषित कर दिया था।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अजय पाल शर्मा ने कहा कि सपा नेता पर जो धाराएं हैं, उसमें गिरफ्तारी हो सकती है। लेकिन, वह रामपुर आएंगे तो हम उन्हें गिरफ्तार कर लेंगे, ऐसा कुछ नहीं है।

26 किसानों की जमीन हड़पने का आरोप

आजम खान पर वर्ष 2003 से लेकर 2005 के बीच 26 किसानों की जमीन जबरन हड़पने और उसे जौहर अली यूनिवर्सिटी परिसर में शामिल करने का गंभीर आरोप है। सभी किसानों

ने जमीन हड़पे जाने के मामले में हाल ही में रामपुर के अजीम नगर थाने में सपा सांसद के खिलाफ धारा 323, 242, 447, 506 और 389 के तहत केस दर्ज किया गया है।

आजम के खिलाफ जमीन हड़पने के मामले में अब तक कुल 27 केस दर्ज हो चुके हैं। 26 केस किसानों की ओर से दर्ज कराए गए हैं, जबकि एक केस राज्य सरकार की ओर से राजस्व निरीक्षक ने दर्ज कराया है, इसमें भी उन पर जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया है।

भारत से व्यापारिक संबंध टूटने के बाद काशी में संतों ने भी पाकिस्तान के सेंधा नमक का किया बहिष्कार

वाराणसी।

काशी के संतों ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया है। पाकिस्तान ने भारत के साथ व्यापारिक संबंध पर पाबंदी की बात कही है। संतों ने पाकिस्तान की इस धमकी के बाद शुक्रवार को एक आपात बैठक बुलाई और पोस्टर जारी करते हुए पाकिस्तान से आने वाले सेंधा नमक का बहिष्कार कर दिया। नगवा स्थित दुर्गा मठ में दर्जनों की संख्या में दंडी स्वामियों ने बैठक की।

अध्यक्षता कर रही साध्वी गीताम्बरा ने संतों से व्रत के दौरान फलाहार में प्रयोग करने वाले सेंधा नमक के बहिष्कार की बात कही।

अध्यक्षता कर रही साध्वी गीताम्बरा ने संतों से व्रत के दौरान फलाहार में प्रयोग करने वाले सेंधा नमक के बहिष्कार की बात कही।

रोज 500 किलो नमक की बिक्री

सेंधा नमक पाकिस्तान के झेलम जिले की खेवरा, वारछा और कालाबाग क्षेत्र की चट्टानों से

आता है। कारोबारियों ने बताया कि पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए सेंधा नमक का आयात बहुत हद तक बंद कर दिया है।

सेंधा नमक के बहिष्कार का प्रस्ताव सभी संतों की सर्वसम्मति से पास किया। इस मौके पर साध्वी गीताम्बरा ने पोस्टर जारी कर इस सोमवार से इसकी शुरुआत करने की बात कही है। पोस्टर के जरिए काशी की जनता से भी अपील की है कि इस सोमवार से बिना नमक का फलाहार करें। इस प्रस्ताव को लेकर साधु समाज ने तय किया है कि इस बाबत आम जनता से बात करने के बाद पूरे भारत में बहिष्कार का अनुरोध किया जाएगा।

अयोध्या में भगवान राम की 251 मीटर ऊंची प्रतिमा पर स्थापना से पहले ही विवाद

विरोध में 85 लोग

अयोध्या संवाददाता।

एक ओर जहां सुप्रीम कोर्ट राम जन्मभूमि विवाद को लेकर रोजाना सुनवाई कर रहा है, वहीं अयोध्या में एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विवाद योगी सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट से जुड़ा है। 251 मीटर ऊंची भगवान राम की मूर्ति से जुड़े प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण विरोध के साए में चल रहा है।

दरअसल, अधिग्रहण के दायरे में सरयू तट के मीरपुर इलाके व हाईवे पुल के बीच की जमीन पर बने पांच मंदिर, 22 खातेदार, 517 पेड़ और 165 लोगों के मकान आ गए हैं। इनमें से करीब 85 प्रभावित इस अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। इस विरोध के कारण पूर्व निर्धारित समय सीमा में काम पूरा होना मुश्किल दिख रहा है। वहीं राज्य सरकार जल्द से जल्द इस प्रोजेक्ट को पूरा करना चाहती है।

सरयू नगर कॉलोनी माझामीरपुर के अध्यक्ष देवेशाचार्य कहते हैं-हमारी कॉलोनी को इस अधिग्रहण से मुक्त रखा जाना चाहिए। और अगर अधिग्रहण करना भी है तो हाइवे के सर्किल रेट से चार गुना ज्यादा मुआवजा दिया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, हमारा पुनर्वास भी प्रतिमा स्थल से एक किमी सीमा के दायरे में ही होना चाहिए। बहरहाल, मामला हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है।

योगी सरकार के लिए यह प्रोजेक्ट कितना खास है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि 3 अगस्त को मुख्यमंत्री ने यहां का दौरा किया था। कई बड़ी योजनाओं के लिए यहां 26 अक्टूबर तक होने वाले दीपोत्सव पर्व तक की डेडलाइन तय कर रखी है। मुख्यमंत्री योगी लगातार योजना का अपडेट ले रहे हैं।

विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा अयोध्या में होगी
श्रीराम की प्रतिमा 251 मीटर
सरदार पटेल की प्रतिमा 183 मीटर
गौतम बुद्ध (चीन) 128 मीटर
स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी 93 मीटर

कई मायनों में खास होगी यह प्रतिमा

प्रोजेक्ट के तहत सरयू किनारे सौ एकड़ में कायाकल्प कराया जाएगा। 251 मीटर ऊंची इस प्रतिमा में 20 मीटर ऊंचा चक्र भी होगा। मूर्ति 50 मीटर ऊंचे बेस पर खड़ी होगी। बेस के नीचे ही भव्य म्यूजियम बनाया जाएगा जहां टेक्नोलॉजी के जरिये भगवान विष्णु के सभी अवतारों को दिखाया जाएगा। यहां डिजिटल म्यूजियम, फूड प्लाजा, लैंड स्केपिंग, लाईब्रेरी, रामायण काल की गैलरी आदि प्रस्तावित है।

सरयू नगर कॉलोनी माझामीरपुर के अध्यक्ष देवेशाचार्य कहते हैं-हमारी कॉलोनी को इस अधिग्रहण से मुक्त रखा जाना चाहिए। और अगर अधिग्रहण करना भी है तो हाइवे के सर्किल रेट से चार गुना ज्यादा मुआवजा दिया जाना चाहिए। इतना ही नहीं, हमारा पुनर्वास भी प्रतिमा स्थल से एक किमी सीमा के दायरे में ही होना चाहिए। बहरहाल, मामला हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है।

दो बार जारी हो चुका है नोटिफिकेशन

पर्यटन विभाग ने इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन खरीदने के लिए 7 जून को गजट नोटिफिकेशन जारी किया। हालांकि, तकनीकी खामियों के चलते इसे रद्द कर दिया गया। इसके बाद अयोध्या के डीएम एके झा ने 27 जून को दोबारा नोटिफिकेशन जारी किया। इस नोटिफिकेशन के तहत 41 हेक्टेयर जमीन में से 24 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना था। अभी तक जमीन की खरीद और प्रतिमा स्थल के चयन का काम चल रहा है।

प्लास्टिक का झंडा खरीदना, बेचना दोनों दण्डनीय अपराध है

पूर्वांपोस्ट संवाददाता

वाराणसी। पर्यावरण व सीवर के लिए अभिशाप बने प्लास्टिक के खिलाफ पहले अखिलेश सरकार फिर योगी सरकार द्वारा पूर्णतया बैन लगाने के बावजूद सरकारी आदेश को ठेंगा दिखाते हुए बाजार में बिक रहे पॉलिथीन व 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर प्लास्टिक के बने झंडे का पूर्णतया बहिष्कार एवं झंडे को इस्तेमाल करने के बाद इधर उधर ना फेकते हुए सुरक्षित स्थान पर रखने के अपील के साथ सामाजिक संस्था सुबह-ए-बनारस क्लब के बैनर तले संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल, संस्थापक अध्यक्ष विजय कपूर, समाजसेवी एवं उधमी आर के चौधरी, डॉ0 रितु गर्ग, एवं श्री हरिश्चंद्र बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज की प्राचार्या डॉ0 प्रियंका तिवारी, के नेतृत्व में मैदागिन स्थित कालेज के परिसर में छात्राओं को प्लास्टिक के बने तिरंगे झंडे का बहिष्कार करने के साथ दूसरों को भी जागरूक करने का शपथ दिलाई गई। उपरोक्त अवसर पर संस्था के अध्यक्ष मुकेश जायसवाल, संस्थापक अध्यक्ष विजय कपूर, समाजसेवी एवं उधमी आर के चौधरी, डॉ0 रितु गर्ग, एवं कालेज की प्राचार्या डा0 प्रियंका तिवारी, ने कहा कि अक्सर देखा जाता है, कि स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस पर प्लास्टिक के बने झंडों को बच्चों को थमा दिया जाता है। जो की अब पूर्णतया रूप से बैन हो चुका है। बाजार में कागज के बने झंडे होने के बावजूद अभी भी कहीं ना कहीं बाजार में प्लास्टिक के झंडे बिक रहे हैं। तो ऐसे में माता पिता के साथ परिजनों को भी ध्यान रखना है, कि वह ऐसे झंडे का बहिष्कार करते हुए बच्चों को सिर्फ कागज के बने झंडे खरीद कर दे। और बच्चों को यह हिदायत भी दे कि वह झंडे का इस्तेमाल करने के बाद उसे संभाल कर रखते हुए कहीं इधर उधर ना फेके बल्कि वह उसे अपने गार्जियन के सुरक्षित हाथों में सौंप दें। तिरंगे झंडे को इधर-उधर फेंक कर तिरंगे झंडे का अपमान न करें, यह अपराध की श्रेणी में आता है। *कार्यक्रम में मुख्य रूप से अध्यक्ष, मुकेश जायसवाल, संस्थापक अध्यक्ष,विजय कपूर, समाजसेवी उधमी आर के चौधरी, डा0 रितु गर्ग, कॉलेज की प्राचार्या डॉ प्रियंका तिवारी, कोषाध्यक्ष, नंदकुमार टोपी वाले, उपाध्यक्ष, अनिल केसरी, हरीश अग्रवाल सहित सैकड़ों छात्राएं शामिल थी।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर कंटेनर में घुसी कार, हाईकोर्ट के अधिवक्ता समेत तीन की मौत

फिरोजाबाद संवाददाता।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर शनिवार शाम हुए हादसे में हाईकोर्ट के अधिवक्ता समेत तीन की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। शवों के पास से मिले कागजातों के आधार पर उनकी शिनाख्त हो सकी है।

दबंगों ने ने एक्टिवा से जा रही महिला पर जीप चढ़ाने की कोशिश की

प्रयागराज निवासी हाईकोर्ट के अधिवक्ता योगेश अग्रवाल (55) पुत्र केएन अग्रवाल एवं उनकी पत्नी सुशीला देवी व सिविल लाइन प्रयागराज निवासी चालक राजपथ त्रिपाठी (40) पुत्र भरत सिंह के साथ इलाहाबाद से आगरा आ रहे थे। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस पर उनकी गाड़ी जैसे ही कठफोरी के निकट पहुंची सामने चल रहे कंटेनर से टकरा गई। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई।

भीषण हादसे को देखकर राहगीरों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह शवों को गाड़ी से बाहर निकाला और उनकी शिनाख्त की।

इस मामले में सीओ संजय वर्मा ने बताया कि हादसा भीषण था। एक्सयूवी कार आगे चल रहे कंटेनर से टकरा गई थी। जिसकी वजह से तीनों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया है।

कांग्रेस को कश्मीर के हालात पर नहीं, अपनी हालत पर चर्चा करनी चाहिए : उप मुख्यमंत्री मौर्य

आजमगढ़ संवाददाता।

उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने पर प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस को कश्मीर के हालात पर नहीं, बल्कि अपनी हालत की चिंता करनी चाहिए।

केशव प्रसाद मौर्य आजमगढ़ जिले के शाह कुंदनपुर गांव में पार्टी द्वारा आयोजित सदस्यता अभियान में पहुंचे थे। सदस्यता अभियान के बाद उपमुख्यमंत्री ने पौधरोपण किया। उन्होंने सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ जिले के विकास कार्यों की समीक्षा भी की।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पूरे देश के देशवासी खुश है। संसद में अनुच्छेद 370 पर हुई वोटिंग में 370 सांसदों ने पक्ष में वोटिंग किया। जबकि इसके विपक्ष में महज 70 वोट पड़े। मौर्य ने कहा कि कश्मीर के हालात सामन्य हैं। लेकिन, कांग्रेस की हालत सामान्य नही है। कांग्रेस को फिलहाल अपनी चिंता करनी चाहिए।

जम्मू-कश्मीर की जेलों में बंद 20 कैदियों को नैनी सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया

प्रयागराज संवाददाता।

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी किए जाने के बाद केंद्र सरकार वहां के हालातों पर नजर बनाए है। रविवार को जम्मू-कश्मीर की जेलों में बंद 20 कैदियों को प्रयागराज की नैनी सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया है। सुरक्षा के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर की फोर्स के साथ सेना के जवान व लोकल पुलिस जेल के बाहर मौजूद हैं। रविवार को जेल में मुलाकातियों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। जेल को चारों तरफ से सील कर दिया गया। पिछले तीन दिनों में जम्मू-कश्मीर की जेलों से 70 कैदियों को उत्तर प्रदेश की उच्च सुरक्षा वाली जेलों में शिफ्ट किया जा चुका है।

इन कैदियों में से 20 को प्रयागराज स्थित नैनी सेंट्रल जेल में शिफ्ट किया गया है। अन्य को उत्तर प्रदेश के फतेहपुर सेंट्रल, वाराणसी सेंट्रल और गोरखपुर जेल में लाया जा सकता है। पुलिस ने कहा कि इन कैदियों को वहां मौजूद सुरक्षा बैरकों में रखा गया है।

लखनऊ जेल में लाए गए कैदी मुख्य रूप से ऐसे अलगाववादी संगठनों से हैं जो हिंसा, पत्थरबाजी तथा शांति भंग करने के मामलों में पकड़े गए हैं। माना जा रहा है कि कैदियों को सुरक्षा कारणों से स्थानांतरित किया जा रहा है।

शाहजहांपुर में डीएम ने अस्पताल के रसोइए को रोटी बेलना और फिर सेंकना भी सिखाया

शाहजहांपुर।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर के डीएम इंद्र विक्रम सिंह ने बुधवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। मरीजों व प्रसूताओं से उनका हालचाल पूछा, स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी हासिल की। बातचीत में मरीजों ने अस्पताल में कच्ची रोटी परोसे जाने की शिकायत की तो डीएम खुद अन्नपूर्णा भोजनालय पहुंच गए। उन्होंने रसोइए को रोटी बनाने का इशारा किया। रसोइया ने एक रोटी बनाकर दिखायी तो वे असंतुष्ट दिखे।

इसके बाद उन्होंने खुद ही हाथों में बेलन ले लिया और रोटी बनानी शुरू कर दी। डीएम ने रसोइए को गोल रोटी कैसे बनाते हैं, यह बेलकर दिखाया। डीएम ने तवे पर रोटी भी सेंकी। रोटी को सेंकने का तरीका भी रसोइए को समझाया। इसके बाद दस रुपए का टोकन लेकर थाली ली और तीमारदारों के साथ बैठकर खाना खाया।

इस दौरान डीएम ने कहा कि हर काम का महत्व अपनी जगह है, चाहे वह खाना पकाना हो या फिर कुछ और। रोटी बेलना या खाना बनाना आसान नहीं है। खाना बनाना एक कला है। पुरुषों को थोड़ा समय निकालकर पती, मां व बहन की मदद करनी चाहिए। इससे बच्चों में एक आदत बनती है कि वे अपना काम खुद करें।

मारपीट से नाराज कैदियों ने जेल में की भूख हड़ताल, जेल अधीक्षक ने कहा- तलाशी का विरोध करने पर हुआ हंगामा

फर्रुखाबाद संवाददाता।

जिला जेल में बंद कैदियों ने जेल प्रशासन पर मारपीट करने व उत्पीड़न करने का आरोप लगा कर भूख हड़ताल कर दी। जेल अधिकारियों ने किसी तरह बंदियों को समझाकर शांत किया। तब 11 बजे बंदियों को पेशी पर अदालत भेजा जा सका।

जेल अधीक्षक विजय विक्रम सिंह ने बताया सुबह पेशी पर जाने से पहले बंदियों की तलाशी ली जा रही थी। तभी बन्दी तलाशी का विरोध करने लगे। इसी दौरान एक बन्दी रक्षक ने किसी बन्दी के थप्पड़ मार दिया। इससे बन्दी गुस्सा गए और नाश्ते का विरोध कर हंगामा कर दिया।

उन्होंने कहा की डीएम के आने पर ही वह नाश्ता करेंगे।

जेल अधिकारियों ने किसी तरह बंदियों को समझाकर शांत किया। सिंह ने बताया मारपीट की बात गलत है। बन्दी तलाशी का विरोध कर रहे थे।बंदियों ने खाना खाने से इंकार किया था, लेकिन उन्हें समझाने पर वह मान गये जिसके बाद बंदियों को नाश्ता दिया गया दोपहर को भोजन भी वितरित किया जा रहा है।

चोरी की 9 मोटर साइकिलों के साथ 5 गिरफ्तार

फतेहपुर। वाहन चोरों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में स्वाट टीम प्रभारी मय टीम व प्रभारी निरीक्षक थाना हुसैनगंज मय हमराहीगण के द्वारा मुखबिर की सूचना पर प्रातः लगभग 6:05 बजे हुसैनगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसआर पेट्रोल पम्प ग्राम बहबलपुर के पास 05 अदद चोरी की मोटरसाइकिलों सहित 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तगणों की निशानदेही पर पास में स्थित झाड़ियों से चोरी की 04 अन्य मोटर साइकिलों को बरामद किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण द्वारा मोटरसाइकिलों को चुराकर उनकी नम्बर प्लेटों को बदलकर व चेचिस व इंजन नम्बर घिसकर बेच दिया करते थे। अभियुक्तगणों द्वारा इन मोटरसाइकिलों को फतेहपुर शहर क्षेत्र व खागा रेलवे स्टेशन खजुहा बिंदकी से चोरी करना बताया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थाना हुसैनगंज में विभिन्न धाराओं मे मुकदमा पंजीकृत किया गया है। पुलिस का दावा है कि इस गुडवर्क से अपराध पर अवश्य ही नियंत्रण होगा। पुलिस द्वारा गिरफ्तार अभियुक्तो में शैलेन्द्र कुमार पुत्र हरीशचन्द्र रैदास निवासी मर्दनपुर थाना सुल्तानपुर घोष, रितिक कुमार उर्फ शनि पुत्र राकेश कुमार निवासी आबूनगर मो0थाना कोतवाली, अमित मौर्य पुत्र छोटेलाल निवासी नउआ बाग भरहरा थाना कोतवाली, मोहित पटेल पुत्र स्व0 उमाशंकर निवासी उमरापुर थाना मलवां, देवा पटेल पुत्र फूलचन्द्र निवासी उधन्नापुर थाना कोतवाली सदर शामिल है।

घर में बंधक बना किशोरी से दुष्कर्म

फतेहपुर संवाददाता।

खागा कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल आयी एक किशोरी के साथ उसके रिश्ते के भाई ने अपने घर में बंधक बनाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। किशोरी के चिल्लाने पर जब लोग मौके पर पहुंचे तब तक वह फरार हो चुका था। पुलिस ने किशोरी को चिकित्सीय उपचार के लिए अस्पताल भेजा वहीं कई जगह दबिश देने के बाद आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बार एसोसिएशन का इतिहास बरकरार, नये अध्यक्ष-सचिव ही फहरायेंगे झंडा

सुलतानपुर संवाददाता।

आजादी से लेकर आज तक देश की सभी लड़ाइयों में अधिवक्ताओं का अहम योगदान रहा। यह बातें बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की औपचारिक घोषणा को लेकर बुलाई गई बैठक में बतौर अतिथि पहुँचे राज्यमंत्री महेंद्र सिंह ने कही। इस मौके पर बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल भी मौजूद रहे।

शुक्रवार को अधिवक्ता संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के औपचारिक घोषणा को लेकर साधारण सभा की बैठक हुई। जिसमे नव निर्वाचित पदाधिकारियों के जीत की घोषणा की गयी। बार काउंसिल ऑफ यूपी के उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल व अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा आदि ने बतौर अतिथि पहुँचे राज्यमंत्री महेंद्र सिंह को स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया। राज्यमंत्री महेंद्र सिंह ने विजयी प्रत्याशियों को जीत की बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा कि आजादी से लेकर आज तक की सभी लड़ाइयों में अधिवक्ता समाज का अहम योगदान रहा है। उन्होंने इस दौरान अधिवक्ताओं की मांग पर दो वाटर कूलर जल्द ही उपलब्ध कराने की बात कही, साथ ही उन्होंने टीन शेड समेत अन्य समस्याओं के लिए मुख्यमंत्री से वार्ता कर तत्काल निदान कराने का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में बार काउंसिल यूपी के उपाध्यक्ष प्रशांत सिंह अटल ने विजयी प्रत्याशियों से सभी अधिवक्ताओं के हित में कार्य करना ही उनका मुख्य दायित्व बताया, वहीं नव निर्वाचित बार अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने अधिवक्ताओं के स्वाभिमान व सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का समझौता न करने का विश्वास दिलाया। नव निर्वाचित सचिव रामतीर्थ दूबे ने भी अधिवक्ता हित में सदैव ही कार्य करने का भरोसा दिया। अन्य विजयी पदाधिकारियों ने भी अपने पद का जिम्मेदारियों से निर्वाह करने का आश्वासन दिया। अधिवक्ताओं ने बार में मची रार के बाद मामले का हल निकालकर शांतिपूर्ण चुनाव सम्पन्न कराने में अहम भूमिका निभाने वाले प्रशांत सिंह अटल के प्रति आभार प्रकट किया। श्री अटल के प्रयास से पलटने के कगार पर पहुंचा प्रति वर्ष 15 अगस्त के अवसर पर नये अध्यक्ष-सचिव के जरिये झंडा फहराने का इतिहास बरकरार रह गया। जबकि मचे विवाद के बाद नये अध्यक्ष-सचिव के बजाय अन्य किसी के जरिये झंडा फहराने का पूर्ण अनुमान लगाया जा रहा था।

आज पौधरोपण अति आवश्यक हो गया : ब्लाक प्रमुख

जौनपुर। पर्यावरण को सुरक्षित व संरक्षित करने के लिये आज पौधरोपण अति आवश्यक हो गया है। प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम पौधा अवश्य लगाना चाहिये। उक्त बातें करंजकला ब्लाक अन्तर्गत सैदपुर गड़उर में शनिवार को आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख दीपचन्द सोनकर ने कही। इसी क्रम में खण्ड विकास अधिकारी विरभानु सिंह सहित अन्य वक्ताओं ने अपना विचार व्यक्त करते हुये लोगों से पौधरोपण करने की अपील किया। इस दौरान ब्लाक प्रमुख श्री सोनकर, बीडीओ श्री सिंह के अलावा उपस्थित तमाम लोगों ने तमाम छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर सहायक विकास अधिकारी पंचायत प्यारे लाल सोनकर, ग्राम पंचायत अधिकारी नागेन्द्र यादव, एडीओ कोआपरेटिव के.एम. राय, ग्राम प्रधान साहब लाल यादव, कल्लन चौहान, मनशेखर, राम सहाय, हुकुम, राकेश चौहान, रंग बहादुर चौहान सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

कोर्ट ने तीन आरोपियों का रिमांड किया रिफ्यूज, एक में एसओ से जवाब-तलब

सुलतानपुर संवाददाता।

पुलिस की लचर कार्यशैली के चलते कूटरचना एवं असलहा बरामदगी से जुड़े मामले में पुलिस को बड़ा झटका लगा है। एसीजेएम प्रथम पीके जयंत की अदालत ने आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले में आरोपी की पुलिस अभिरक्षा में पिटाई होने के बावजूद झूठे तथ्य पेश करने पर मात्र तीन दिन का रिमांड स्वीकृत करते हुए विवेचक व एसओ से जवाब मांगा है,वहीं नंबर प्लेट बदलकर किये गये कूटरचना के मामले में इसी अदालत ने तीन आरोपियों का रिमांड रिफ्यूज कर दिया।

पहला मामला गोसाईगंज थाना क्षेत्र से जुड़ा है। जहां की पुलिस ने आरोपी राजन सिंह निवासी बासगांव को गिरफ्तार कर बरामद असलहे के साथ कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने आरोपी को कोई चोट न आने की रिपोर्ट तैयार कर कोर्ट में पेश किया था,लेकिन अदालत के सामने जब आरोपी पेश हुआ तो बचाव पक्ष के अधिवक्ता सुनील सिंह ने अर्जी देकर पुलिस अभिरक्षा में राजन की पिटाई कर गंभीर चोट पहुंचाने एवं पुलिस के जरिये झूठे तथ्य पेश करने का तर्क रखा। तत्पश्चात मामले में संज्ञान लेते हुए न्यायाधीश पीके जयंत ने विवेचक व थानाध्यक्ष से संबंधित प्रकरण में झूठे अभिलेख तैयार करने को लेकर मात्र तीन दिन की रिमांड स्वीकृत कर कार्यवाही की चेतावनी देते हुए तीन दिन में जवाब मांगा है।

गोसाईगंज व चांदा पुलिस की मनमानी कार्यशैली पर कोर्ट ने लिया संज्ञान

दूसरा मामला चांदा थाना क्षेत्र से जुड़ा है। जहां की पुलिस ने आरोपी विश्वजीत उर्फ जीतू जायसवाल,गोरे विश्वकर्मा उर्फ विनय व बच्चा यादव थाना क्षेत्र आसपुर-देवसरा प्रतापगढ़ को वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तार किया। जिन पर असलहा बरामदगी व नंबर प्लेट बदलकर कूट रचना करने का भी मामला दर्ज किया गया और इन्हीं मामलों में तीनो को अदालत में पेश किया गया। चोरी व असलहा बरामदगी के मामले में तो आरोपियों का रिमांड हो गया,लेकिन कूट रचना के आरोप से जुड़े मामले में रिमांड पर सुनवाई के दौरान विवेचक कोर्ट के जरिये सवाल पूछने पर सटीक उत्तर ही नहीं दे सके और कोई सबूत पेश कर सके। नतीजतन रिमांड का आधार पर्याप्त न पाते हुए न्यायाधीश पीके जयंत ने रिमांड रिफ्यूज कर दिया। अदालत की इस सख्ती से दोनों थानों की पुलिस को बड़ा झटका लगा है।

फिल्मी सितारों की मौजूदगी में 1090 चौराहे पर मनेगा आज़ादी का जश्न

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा

लखनऊ संवाददाता।

आज़ादी की पूर्व संध्या पर जश्न-ए-आज़ादी समिति द्वारा राष्ट्रभक्ति और देशप्रेम से प्रेरित कार्यक्रमों का भव्य आयोजन बड़े जोश और खरोश से किया जायेगा।इस शानदार आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा शामिल होंगे। समिति की अध्यक्ष निगहत खान ने हिन्दू, मुस्लिम, सिख, इसाई, जैन, बौद्ध सभी को समान रूप से इस जश्न को धूम- धाम से मनाने का आह्वान किया।समिति के महामंत्री मुरलीधर आहूजा ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस हमारे देश का सबसे बड़ा त्यौहार होना चाहिए बस इसी भावना के साथ यह समिति गठित की गई है। इस महान उत्सव की परिकल्पना करने वाले मुरलीधर आहूजा ने कहा कि आजकल हमारे राष्ट्रीय पर्व मात्र एक अवकाश बनकर रह गए हैं जबकि अन्य देशों में आजादी का उत्सव बड़े जोर-शोर से मनाया जाता है।

जश्न-ए-आज़ादी समिति के संरक्षक मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने प्रेस को सम्बोधित करते हुए जश्न-ए-आजादी समिति के कार्यो की सराहना की। मुर्तज़ा अली ने बताया कि हम लोग जितनी खुशी के साथ अपने अपने त्यौहार मनाते हैं उसी खुशी के साथ जश्न-ए-आज़ादी के अवसर पर हम लोग महालड्डू के साथ-साथ सिवई, गुझिया और चाट हजारों लोगों को वितरित करके आजादी का जश्न जोर-शोर से मनाएंगे। आज़ादी की पूर्व संध्या पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 73 किलो के महालड्डू , 73 किलो सेवई और 73 किलो गुजिया के साथ मुम्बई से आ रहे फ़िल्म कलाकार मुकेश ऋषि और गायक प्रजापति द्वारा देश भक्ति के तराने रहेंगे।

73 किलो महालड्डू के साथ सिवई और गुझिया का होगा वितरण

समिति द्वारा जो कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं उसमें मुख्य रूप से वृक्षारोपण, स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, निःशुल्क जांच शिविर, जल संचय (पानी को बचाने के तरीके), क्रांतिकारियों की याद में 1090 चौराहे पर कवि सम्मेलन, आर्केस्ट्रा, प्रोग्राम एवं विभिन्न संगठनों द्वारा देशभक्ति गीतों का कार्यक्रम किये जायेंगे। इसके उपरान्त स्वतंत्रता दिवस की 73वीं वर्षगांठ पर 73 किलो का महालड्डू, सिवई, गुझिया, मध्य रात्रि 12.00 बजे बैण्ड बाजों, आतिशबाजी के साथ हजारों की संख्या में वितरित करके बड़े जोश ओर खरोश से आजादी का जश्न मनायेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री, माननीय डॉ दिनेश शर्मा जी व अन्य मंत्रीगण के अतिरिक्त फिल्म अभिनेता मुकेश रिशी व अन्य कलाकार, वरिष्ठ नागरिकगण, व्यापारीगण, पार्षदगण, अधिकारीगण शिरकत करेंगे। 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के दिन प्रातः 11 बजे से एक ऐतिहासिक स्कूटर व बाईक रैली निकाली जायेगी जो एक बजे हजरतगंज तक आएगी। इसके बाद 01.05 बजे अपरान्ह हजरतगंज पुरानी कोतवाली के सामने झण्डा रोहण किया जायेगा तथा शान्ति के प्रतीक 11 कबूतरों को उड़ाया जायेगा। 16 तारीख को प्रातः एक विशेष दल लखनऊ शहर के हर क्षेत्रों में जाकर कागज व प्लास्टिक के झण्डों को एकत्रित करेगा और उन्हें सम्मान के साथ यथा स्थान पर रखा जायेगा।

विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास ज़रूरी : उप मुख्यमंत्री

लखनऊ संवाददाता।

पूर्व-छात्र सम्मेलन के आयोजन से वर्तमान में पढ़ रहे छात्रों का पूर्व के छात्रों द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों से जहां एक तरफ आत्मविश्वास बढ़ता है वहीं दूसरी तरफ उनसे सीखने को भी मिलता है। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज, निशातगंज के पूर्व छात्र मिलन समारोह-2019 के अवसर पर यह विचार व्यक्त किया।

उप मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि अनुशासन का व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। अनुशासन शिक्षक एवं विद्यार्थियों दोनों में होना चाहिए। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आप देश के भविष्य हैं आपके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है। लक्ष्य निश्चित कर जीवन में आगे बढ़ें और लक्ष्य की प्राप्ति तक लक्ष्य के प्रति केंद्रित रहें। उन्होंने कहा कि तनाव में रहकर पढ़ाई नहीं करनी चाहिए जरूरी है कि नियमित जीवनशैली को अपनाकर साल भर पढ़ने की आदत डालें और तनावमुक्त होकर परीक्षा दें। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ आधुनिक उपकरणों का ज्ञान होना जरूरी है लेकिन ऐसा ना हो कि आधुनिक उपकरणों के चक्कर में असली ज्ञान से पीछे रह जाएं। इसलिए जरूरी है कि पढ़ाई को प्राथमिकता दें और होमवर्क पूरा करें उसके बाद यदि समय मिले तो संचार उपकरणों का प्रयोग करें।

डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल छात्र-छात्राओं को पढ़ाना ही नहीं बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास कराना है। विद्यार्थी अपने शिक्षक से सीखते हैं इसलिए जरूरी है कि शिक्षक की जीवन शैली, आचरण एवं व्यवहार शालीनता भरा हो। उन्होंने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस युग में केवल रटने से आगे नहीं बढ़ा जा सकते है, जरूरी है कि पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को क्षेत्र विशेष में उनकी रूचि के अनुसार प्रोत्साहन देकर आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि राजकीय विद्यालयों की आपस में अंताक्षरी, डिबेट आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करवाना चाहिए जिससे विद्यार्थियों का आपस में ज्ञान का आदान-प्रदान हो सके।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का यह प्रयास है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों को किसी भी स्तर पर प्राइवेट स्कूलों के बच्चों से कमतर सुविधाएं नहीं दी जाएगी। सरकार चाहती है कि सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लासेस, कंप्यूटर लैब सहित अन्य सभी शिक्षा से संबंधित आधारभूत सुविधाओं की व्यवस्था हो जिससे विद्यार्थी तकनीकी के युग युग में किसी भी स्तर पर पीछे ना रहें। सरकार का प्रयास है कि बच्चे को पढ़ाई के साथ साथ रोजगार भी मिल सके। इसके लिए सरकार ने रोजगार परक शिक्षा को पाठ्यक्रम में जोड़ा है।

पूर्व-छात्र मिलन समारोह-2019 में महापौर लखनऊ, संयुक्ता भाटिया, निदेशक माध्यमिक शिक्षा वी0के0 पाण्डेय, संयुक्त शिक्षा निदेशक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ सहित अनेक शिक्षक एवं पूर्व छात्र उपस्थित थे।

देख-रेख के अभाव में शीघ्र ही सूख जायेंगे पौधे : रालोद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने कहा कि पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने में पेड़ों का बहुत अधिक महत्व होता है। आकंड़ों के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 22 करोड 59 लाख 81 हजार 116 पौधे लगाकर रिकार्ड बनाया। यह पौधे देख रेख के अभाव में शीघ्र ही सूख जायेंगे और एक साल बाद शायद ही इसमें से 1 करोड़ पौधे बच सके। यह बचने वाले पौधे वहीं होंगे जिनको खाद और पानी देने का कार्य व्यक्तिगत तौर पर लोगो ने किया होगा। सरकार का शेष धन पौधे लगाने में व्यर्थ हो जायेगा। रालोद प्रवक्ता ने आईपीएन से बातचीत में कहा कि भले ही एक करोड़ पौधे लगाये जाते और उनकी देखरेख करने के लिए प्रति 200 पौधों पर एक व्यक्ति की नियुक्ति की जाती तो एक वर्ष पश्चात लगभग सभी पोधे सजीव अवस्था में मिलते तथा 50 हजार लोगो को रोजगार भी मिल जाता। जीवित पौधे प्रदेश का पर्यावरण संतुलित करने का कार्य भी सुचारू रूप से करने लगते। अच्छा होता यदि सम्पूर्ण प्रदेश में नीम पीपल और बरगद के पेड़ लगाये जाते जो प्रदेश को प्रदूषण मुक्त करने में सहायक सिद्ध होते। प्रवक्ता ने कहा कि सम्पूर्ण उ0प्र0 में प्रतिवर्ष एक्सप्रेस-वे बनाने तथा सड़कों के चौड़ीकरण में लाखों पौधे काट दिये जाते हैं और प्रदेश में ग्लोबल वार्मिग का प्रभाव बढ़ जाता है पर्यावरण प्रदूषित होने लगता है।

कारागार विभाग में भी अब कमेंडेशन डिस्क

पोस्टपुरवा संवाददाता।

लखनऊ। पुलिस विभाग की तरह अब उत्तर प्रदेश कारागार विभाग में भी विभागीय जिम्मेदारी को अच्छे तरीके से निभाने के लिए कमेंडेशन डिस्क से सम्मानित किया जाएगा. स्वतंत्रता दिवस पर 120 जेल अधिकारी-कर्मचारी को बेहतर कार्यशैली के लिए कमेंडेशन डिस्क मिला है. इससे पहले वीरता के लिए पुरस्कार दिए जाते रहे हैं, लेकिन पहली बार समयबद्ध तरीके से कामों का निष्पादन, अनुशासन व अन्य पैमानों पर खरा उतरने वाले अफसरों व कर्मियों को महानिरीक्षक कमेंडेशन डिस्क और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करना है.

डीजी कारागार आनंद कुमार के आने के बाद से विभाग में कई तरह के फैसले लिए गए इनमें 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अफसरों व कर्मियों को सम्मानित करना भी है. डीजी आनंद कुमार ने बताया कि जेलों में सुरक्षा और सुधारात्मक कार्य के क्षेत्र में अच्छा काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को महानिरीक्षक कमेंडेशन डिस्क और प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस पुरुस्कार केलिए 120 जेल विभाग के अधिकारी और कर्मचारी चयनित किए गए हैं।

इसमें दो अपर महानिरीक्षक कारागार वीके जैन और डा. शरद, उपमहानिरीक्षक कारागार संजीव त्रिपाठी, तीन वरिष्ठ जेल अधीक्षक प्रेमनाथ पांडेय, राधाकृष्ण मिश्रा और विनोद कुमार सिंह, चित्रकूट जेल अधीक्षक श्रीप्रकाश त्रिपाठी के अलावा 8 जेल अधीक्षक, 12 जेलर, 24 डिप्टी जेलर, 37 हेड जेल वार्डर, 30 जेलवार्डर और 3 चालकों को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सम्मानित किया जाएगा।

ज्योत्सना को मिला तीज क्वीन का खिताब

पोस्टपुरवा संवाददाता

लखनऊ। सावन की मनभावन घटाओं के बीच आशियाना में लखनऊ क्वींस ग्रुप द्वारा आयोजित हरित-उत्सव में बेस्ट परफॉर्मर ज्योत्स्ना श्रीवास्तव को तीज क्वीन चुना गया। मौर्य रेस्टोरेंट में हुए भव्य कार्यक्रम में उन्हें विनर क्राउन और सम्मान पट्टिका पहना कर सम्मानित किया गया।

देखा जाए तो आज की शानदार और खुशनुमा शाम आशियाना क्षेत्र की हरित सुंदरियों के नाम रही। हरे परिधानों में मेंहदी रचे हाथों के साथ जब महिलाओं के अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया तो हर कोई वाह-वाह कर उठा। संगीत, नृत्य, काव्यपाठ, परिधान और मेंहदी प्रतियोगिता में हरित सुंदरियों ने अपने हुनर का बखूबी परिचय दिया। अपने बेहतरीन प्रदर्शन से ज्योत्स्ना ने तीज क्वीन का खिताब तो अपने नाम किया ही, बेस्ट साड़ी व गेटअप अवार्ड के साथ कॉइन्स कलेक्शन के विनर का तमगा हासिल कर इस थीम पार्टी की शान बनीं।

कार्यक्रम की अन्य प्रतियोगिताओं में बैंगल गेम की विनर का तमगा संयुक्त रूप से दिव्या सेठ और राखी ने हासिल किया। मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियाँ है गाने पर डांस करके निधि ने वाहवाही लूटते हुए पहला स्थान पाया। प्रज्ञा ने अपने सुरीले स्वरों में हाय-हाय ये मज़बूरी गीत सुना कर मंत्रमुग्ध किया और पहला स्थान प्राप्त किया। तंबोला गेम की विनर दिव्या और संध्या रहीं। बेहतरीन मेंहदी के लिए पिंकी को सम्मानित किया गया।

● आशियाना में सावन तीज थीम आधारित कार्यक्रम में हरित सुंदरियों ने मचाया धमाल

● सभी ने दिखाया अपनी प्रतिभा का कमाल

बेस्ट परफार्मर रहीं ज्योत्स्ना ने न जाने ये कैसा सावन है गीत रचना सुना कर सबका मन जीत लिया। उल्लेखनीय है ज्योत्स्ना लेखन के क्षेत्र में भी अपनी प्रतिभा का परचम फहरा रही हैं।

इस मनभावन हरित-उत्सव में भाग लेने वाली महिलाओं में निधि, दिव्या, ज्योत्स्ना, राखी, संध्या, पिंकी, शालिनी, अलका, रश्मि, नीलम, डॉली, अंकिता, मीशा, प्रज्ञा, दीक्षा, रंजना आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। इन सबने सावन तीज आधारित थीम पार्टी में जमकर धमाल मचाया। कार्यक्रम का खूबसूरत संचालन दिव्या सेठ ने किया।

प्रदेश सरकार यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित एवं सुगम्य बनाने हेतु दृढ़ संकल्पित : उपमुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ संवाददाता।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज प्रयागराज मे अपने आवास पर दूरदराज से आये लोगो की समस्याएं सुनी और सम्बन्धित अधिकारियों को दिए समस्याओं के निस्तारण के निर्देश दिए।

श्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद राजकीय उद्यान प्रयागराज में स्थानीय सहयोगियों के साथ वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लेते हुए वहां पर वृक्षारोपण किया और लोगों का आह्वान किया कि वर्षा काल पौधे रोपित करने का अनुकूल समय होता है। ज्यादा से ज्यादा लोग वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने वृक्षों की महत्ता व उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। श्री केशव प्रसाद मौर्य, श्री अनिरुद्ध पटेल व श्री चंद्रेश केसरवानी के आवास पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी व दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

यातायात व्यवस्था को सुगम्य बनाए रखने हेतु प्रदेश के 12 जनपदों के 21 सड़क मार्गो पर चल रहे मरम्मत और चैड़ीकरण कार्य हेतु श्री मौर्य ने 43 करोड़ की धनराशि निर्गत की है और अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह इन्हें शीघ्र से शीघ्र व निर्धारित समय सीमा के अंदर पूरा करें।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित व सुगम्य बनाने हेतु दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा है कि सड़कों के निर्माण से जाम से मुक्ति मिलेगी तथा यातायात सुगम्य होगा तथा क्षेत्र व क्षेत्रवासियों का सर्वांगीण विकास होगा।

उत्तर प्रदेश एक दिन में 22 करोड़ पौधे रोपित कर आज स्थापित करेगा एक नया विश्व कीर्तिमान : अवनीश कुमार अवस्थी

लखनऊ संवाददाता।

अपर मुख्य सचिव, गृह, सूचना एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यूपीडा अवनीश कुमार अवस्थी एवं सूचना निदेशक शिशिर ने भारत छोड़ो आन्दोलन की 77वीं वर्षगांठ के अवसर पर सूचना विभाग के प्रांगण में नीम एवं आम के पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महाकुम्भ अभियान के अन्तर्गत एक दिन में 22 करोड़ पौधे रोपित कर उत्तर प्रदेश आज एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। उन्होंने सभी लोगों से कम से कम एक वृक्ष अपने आस-पास लगाने की अपील की।

श्री अवस्थी ने कहा कि प्रदेश में वृहद् स्तर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत पूरे प्रदेश में आज एक ही दिन में 22 करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 08 घण्टे में एक ही स्थल पर सर्वाधिक संख्या में निःशुल्क पौधे वितरित किये जाने का भी रिकार्ड बनाया जा रहा है। उन्होंने

सूचना निदेशक शिशिर ने भी 22 करोड़ पौधरोपण के लक्ष्य में किया योगदान

यह भी बताया कि वृक्षारोपण कार्यक्रम के अन्तर्गत जितने भी पौधे प्रदेश में लगाये जायेंगे, उन्हें जियो टैगिंग के माध्यम से संरक्षित रखने का भी कार्य किया जायेगा।

वृक्षारोपण के इस अवसर पर विभाग के अपर निदेशक श्री श्रीनिवास त्रिपाठी, संयुक्त निदेशक श्री विनोद कुमार पाण्डेय, उप निदेशक श्री हेमन्त सिंह, श्री त्रिलोकी राम, श्री राजेन्द्र पाण्डेय, श्री हरिशंकर त्रिपाठी, श्री हंसराज, श्री दिनेश कुमार गर्ग, श्री दिनेश कुमार सहगल एवं सहायक निदेशक श्री एस0पी0 श्रीवास्तव, श्री ऋषि कुमार सक्सेना, श्री राम मनोहर त्रिपाठी तथा श्री संजय कुमार अस्थाना सहित निदेशालय तथा सूचना ब्यूरो के सभी अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

एनएसयूआई मध्य जोन राजीव गांधी की जयन्ती पर आयोजित करेगी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

लखनऊ संवाददाता।

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के प्रदेश अध्यक्ष मयंक तिवारी की अध्यक्षता में शनिवार को एनएसयूआई मध्य जोन के प्रदेश पदाधिकारियों एवं जिला अध्यक्षों की मासिक बैठक में यह निर्णय लिया गया कि भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन मध्य जोन प्रदेश के 21 जनपदों में भारत रत्न-पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी की 75वीं जयन्ती के अवसर पर आगामी 20 अगस्त को ''सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता'' का आयोजन करेगी। इस मौके पर एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव एवं मध्य जोन प्रभारी शौर्यवीर कादियान द्वारा सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता फार्म लान्च किया गया। बैठक में अ0भा0 कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रभारी उ0प्र0 सचिन नायक जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। एनएसयूआई के अध्यक्ष मयंक तिवारी ने बताया कि बैठक में मौजूद अ0भा0 कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रभारी

उ0प्र0 सचिन नायक ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 राजीव गांधी द्वारा देश के विकास एवं उत्थान में किये गये ऐतिहासिक कार्यों को छात्र एवं छात्राओं तक पहुंचाने एवं कांग्रेस पार्टी के गौरवशाली इतिहास से रूबरू कराने को लेकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन कांग्रेस पार्टी द्वारा किया जा रहा है।

सुरक्षित स्थानों पर पौधारोपण करवाए जाये एवं उनकी सुरक्षा का समुचित प्रबन्ध किया जाये : सुरेश कुमार खन्ना

लखनऊ संवाददाता।

स्थानीय निकाय से संबंधित सभी योजनाओं के संबंध में सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें एवं नियमित योजनाओं के प्रगति का अनुश्रवण करें। जिस कार्य को पूर्ण करने के लिए जितना समय नियत किया गया है उस नियत समय में उसे पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय। इसके लिए जरूरी है कि अधिकारी नियमित रूप से कार्य की प्रगति की समीक्षा एवं मानीटरिंग करें। यह निर्देश प्रदेश के नगर विकास मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना ने आज यहां गोमती नगर स्थित स्थानीय निकाय निदेशालय के सभाकक्ष में विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि पूरी सक्रियता के साथ यदि कार्यों की मानीटरिंग/समीक्षा नियमित रूप से की जाएगी तो काम समय से एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न होगा इससे विभाग की छवि आमजन में उज्जवल होगी और पॉजिटिव अप्रोच के साथ परफारमेंस करने से रिजल्ट भी अच्छा आएगा और

दिखेगा भी।

नगर विकास मंत्री ने स्वच्छता पर सबसे ज्यादा जन-जागरूकता एवं ट्रेनिंग कराए जाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये। उन्होंने कहा कि स्वच्छता से ही विभाग की इमेज है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को नाले-नालियों की मरम्मत एवं सफाई कराते हुए ड्रेनेज सिस्टम को ठीक कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इस कार्य के नियमित अनुश्रवण का व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने कहा कि नाले नालियों की सफाई का सप्ताह में एक दिन निरीक्षण अवश्य किया जाये। स्वच्छता से संबंधित विज्ञापन प्रदर्शित कर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करें। उन्होंने निर्देश दिए स्वच्छता संबंधी विज्ञापन अच्छी इमेज वाली एजेंसियों के माध्यम से आकर्षक एवं अर्थपूर्ण डिजाइनर के विज्ञापन बनवाए जाएं और उसे प्रदर्शित किए जाएं।

श्री खन्ना ने कहा कि प्रदेश के समस्त नगर निकायों के अध्यक्ष गण एवं पार्षद गण को नगर निगम की स्थिति में नगर आयुक्त एवं नगर पालिका परिषद तथा नगर पंचायत की स्थिति में अधिशासी अधिकारीयों के माध्यम से सुरक्षित स्थान पर पौधरोपण करवाए जाएं एवं उनकी सुरक्षा का समुचित प्रबंध भी किया जाए। निकायों के निर्माण कार्यों की एक टीमे बनाकर उसकी गुणवत्ता की नियमित जांच कराई जाए।

कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश

परम्परा के विपरीत किसी भी कार्य को किये जाने की मंजूरी न दी जाए : मुख्यमंत्री

लखनऊ संवाददाता।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगामी ईद-उल-अज़हा (बकरीद), सावन का अंतिम सोमवार, रक्षा बन्धन, स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी के अवसर पर कानून-व्यवस्था के सम्बन्ध में पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा के पर्याप्त प्रबन्ध सुनिश्चित कर लिए जाएं। उन्होंने हर स्तर पर त्योहार को शान्तिपूर्वक सम्पन्न कराने, सुरक्षा प्रबन्ध चाक-चैबन्द रखने तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगाह रखने के भी निर्देश दिये हैं। परम्परा के विपरीत किसी भी कार्य को किये जाने की मंजूरी न दी जाए।

मुख्यमंत्री शनिवार को अपने सरकारी आवास पर आगामी पर्वों एवं स्वतंत्रता दिवस के सम्बन्ध में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधिकारियों को निर्देशित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में श्रावण मास चल रहा है, जिसमें कांवड़ियों द्वारा कांवड़ यात्रा की जा रही है, जिसका अंतिम सोमवार और बकरीद, एक ही दिन अर्थात 12 अगस्त को होगी। इसके दृष्टिगत सतर्क दृष्टि रखी जाए, ताकि कोई अप्रिय घटना न घटित हो। उन्होंने संवेदनशील जनपदों एवं स्थलों के दृष्टिगत पूर्व तैयारी एवं कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ईद-उल-अज़हा के अवसर पर सभी जनपदों में गैर-परम्परागत रूप से खुले स्थानों पर विशेषकर मिश्रित आबादी वाले या धर्मस्थलों के निकट किसी भी प्रकार के विवाद की आशंकाओं को हर हाल में रोका जाए। जहां विवाद की आशंका हो, वहां पर पहले से पुलिस पिकेट, गश्त आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घटित न हो।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि ईद-उल-अज़हा के अवसर पर नमाज़ के समय, मन्दिरों में पूजा-अर्चना तथा जल चढ़ाते समय सतर्क दृष्टि रखी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रतिबन्धित पशुओं या गोवंशी पशुओं की कुर्बानी के सम्बन्ध में

विशेष सतर्कता बरतते हुए इन्हें रोका जाए, ताकि कोई अप्रिय घटना घटित न हो। उन्होंने ईद-उल-अज़हा के दौरान पूर्व में हुई घटनाओं एवं संवेदनशील जनपदों व स्थलों की समीक्षा किये जाने के निर्देश देते हुए कहा कि असामाजिक तत्वों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने सभी जनपदों में साफ-सफाई के विशेष प्रबन्ध, निर्बाध विद्युत एवं जलापूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्वों और त्योहारों को शान्ति के साथ मनाये जाने में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने जन्माष्टमी के सम्बन्ध में भी पूर्व से तैयारियों को सुनिश्चित किये जाने की बात कही।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी उच्चाधिकारी क्षेत्रों में भ्रमण करें। अधिकारीगण अपने-अपने सम्बन्धित जनपदों में भ्रमण तथा थाना स्तर पर निरीक्षण भी करें। त्योहारों के सम्बन्ध में आवश्यक सावधानियों के दृष्टिगत त्यौहार रजिस्टर का अवलोकन करते हुए कार्रवाई करें। स्वास्थ्य सम्बन्धी सुविधाओं और चिकित्सालयों की भी व्यवस्थाएं चुस्त-दुरुस्त रखी जाएं। ऐसी किसी भी घटना को रोका जाए, जिसके कारण विवाद या तनाव पैदा होता हो। उन्होंने कहा कि संवाद से विवादों का समाधान स्थानीय स्तर पर निकाला जाए। प्रत्येक स्तर के पुलिस अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में फुट पेट्रोलिंग भी सुनिश्चित करें। किसी भी घटना के सम्बन्ध में प्रत्येक स्तर पर जवाबदेही तय की जाए। जिला व पुलिस प्रशासन समन्वय स्थापित कर सुरक्षा प्रबन्धों के सम्बन्ध में कार्रवाई करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपदों में थाना स्तर पर पीस कमेटी की बैठकें सुनिश्चित करते हुए संवाद स्थापित किया जाए। विवादित विषयों पर पूर्व से ही समाधान निकाला जाए। सोशल मीडिया पर भी सतर्क दृष्टि रखी जाए। अफवाहों को फैलने से रोका जाए और उनका तत्काल खण्डन किया जाए। सार्वजनिक स्थलों पर कुर्बानी न होने दी जाए। मदरसों एवं अन्य शिक्षण संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष ध्यान दिया जाए। तिरंगा यात्रा आदि की भी जानकारी कर ली जाए।

मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने नवजात बच्चों के परिजनों को पौधा उपहार देकर लगाने का दिया निर्देश

पूर्वापोस्ट संवाददाता।

गोण्डा। वृक्षारोपण महाअभियान के अवसर पर पूरे जिले में वृक्षारोपण कार्यक्रमों की धूम रही। जिले के प्रभारी मंत्री उपेन्द्र तिवारी ने नगर के प्रतिष्ठित एलबीएस पीजी कालेज में पहुंच विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह व भाजपा के प्रदेश मंत्री अनूप गुप्ता के साथ पौधरोपण किया।

पौधरोपण के बाद आयोजित समारोह में उन्होने कहा कि इस बार प्रदेश सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में एक दिन में बाइस करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसमें से उनके प्रभार वाले जनपद गोण्डा में 43 लाख से अधिक पौधे रोपित करने का लक्ष्य दिया गया था। उन्होने पोधरोपण महाअभियान की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा पहली बार पौधरोपण के लिए आकस्मिक निधि से सौ करोड़ रूपए दिए गए हैं और अभियान को सफल बनाने के लिए 23 विभागों का सहयोग लिया गया। उन्होने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला अस्पताल व सभी सीएचसी व पीएचसी पर जन्म लेने वाले नवजातों के परिजनों को एक-एक पौधा निःशुल्क देने वा उसका रोपण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा जिले के सभी महाविद्यालयों, कालेजों व स्कूलों के प्रबन्धकों से समन्वय बनाकर हर छात्र-छात्रा को पौधा देने व उसका रोपण कराने के निर्देश दिए। उन्होने बताया कि प्रदेश सरकार वर्तमान में प्रदेश के कुद वनाच्छादन क्षेत्र नौ प्रतिशत को बढ़ाकर 15 प्रतिशत से अधिक करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होने कहा कि प्रदेश सरकार संकल्प से सिद्धि के वादे पर काम कर रही है। भाजपा के प्रदेश मंत्री व गोण्डा के संगठन प्रभारी अनूप गुप्ता ने पौधों के वेज्ञानिक महत्व व औषधीय गुणों के बारे में बताते हुए कहा कि पौधों का हमारे जीवन से सीधा सम्बन्ध है। पेड़ नहीं होगें तो हम नहीं होगें। विधायक तरबगंज प्रेम नरायण पाण्डेय ने कहा कि वृक्षारोपण अभियान ने आज प्रदेश में जनान्दोलन बन चुका है। प्रदेश की आबादी के बराबर एक ही दिन में पौधे रोपित कराकर प्रदेश सरकार ने कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। विधायक सदर प्रतीक भूषण सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा प्रदूषण भारत छोड़ो के संकल्प के साथ वृक्षारोपण महाअभियान का शुभारम्भ किया गया है। उन्होने कहा कि पौराणिक मान्यता के अनुसार एक वृद्ध दस पुत्रों के बराबर है। उन्होने संकल्प दोहराते हुए कहा कि वे अपनी विधायक निधि पौधों के संरक्षण के लिए ट्री गार्ड लगवाने के लिए दे रहे हैं। इसके अलावा उनकी विधायक क्षेत्र अन्तर्गत बालपुर से लेकर विधानसभा की सीमा तक सुन्दर लगने वाले पौधों का रोपण कराने की बात कही। डीएफओ आर0के0 त्रिपाठी ने बताया कि सरकार द्वारा निर्धारित 43 लाख पौधों के रोपण का लक्ष एक ही दिन में प्राप्त कर लिया गया है और उसकी जियो टैगिंग शत-प्रतिशत कराई गई है। इस अवसर पर डीएफओ द्वारा सभी अतिथियों को रूद्राक्ष के पौधे भेंट किए। कार्यक्रम का सफल आयोजन कालेज के डा0 अतुल सिंह व शरद पाठक द्वारा सम्पन्न कराया गया। इस दौरान सीडीओ आशीष कुमार, एसएसपी महेन्द्र कुमार, एसडीएओ वन एसपी सिंह, कालेज का प्राचार्या वन्दना सारस्वत, जिला उपाध्यक्ष महेन्द्र सिंह, जिला मंत्री अनुपम मिश्र, मीडिया प्रभारी विष्णु शुक्ला, अमर किशोर कश्यप उर्फ बमबम, कोषाध्यक्ष संदीप पाण्डेय, जितेन्द्र पाण्डेय व अन्य रहे।

हर व्यक्ति एक पौधे को गोद ले और उसका पोषण करे- सूचना राज्य मंत्री

पूर्वापोस्ट संवाददाता।

भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर प्रदेश भर में वृहद एक दिनी 22 करोड़ी वृक्षारोपण के अवसर पर वाराणसी में वृहद वृक्षारोपण हुआ। सुबह से ही पूरे जनपद में गांव से लेकर शहरी क्षेत्रों में युद्ध स्तर पर वृक्षारोपण कार्य शुरू हुआ। गढ्ढे पहले से खोदे गए थे। पौधों की पूर्व दिवस में ही व्यवस्था कर ली गई थी। सरकारी कार्मिकों की विभागों में क्षेत्रवार ड्यूटी लगाई गई थी। वृक्षारोपण में विभिन्न सामाजिक संगठनों, निजी संस्थाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की।

विकासखंड सेवापुरी के ग्राम राखी नेवादा में गांधी उपवन वाटिका तथा पंचवटी की स्थापना की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के विधि न्याय, युवा कल्याण, खेल एवं सूचना राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने बरगद, शासन से आए पर्यवेक्षण अधिकारी डॉ रजनीश दुबे ने पीपल, कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बेल, जिलाधिकारी सुरेंद्र सिंह ने आंवला, मुख्य वन संरक्षक के0के0 पांडेय ने अशोक का पौधा रोपण किया। गांधी उपवन वाटिका में 5500 पौधों का 5 एकड़ भूमि में पौधारोपण किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के विधि-न्याय, युवा कल्याण, खेल एवं सूचना राज्यमंत्री डॉ नीलकंठ तिवारी ने कहां की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परिकल्पना से यह 22 करोड़ का विश्व रिकार्ड बनाया था। काशी ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। इससे काशी क्षेत्र हरा भरा और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर होगा। उन्होंने लोगो से अपील की, कि वे आगे आएं, हर व्यक्ति एक पौधे को गोद ले और उसका पोषण करे। आइये,आगे बढ़ अपनी धरती माँ को बचाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित करें। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा कि वृक्ष जीवन के आधार हैं और जीवन को सुरक्षित करने के लिए पर्यावरण संतुलन महत्वपूर्ण है। वृक्षारोपण के इस महाकुंभ में जितने भी पौधों का आज रोपण किया गया है, उनका पालन पोषण भी आवश्यक हैं। मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए उन्होंने कहा कि इन पौधों को लगने तक इनका पूरी तरह देखभाल किया जाए। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होना चाहिए। नोडल अधिकारी रजनीश दुबे ने कहा कि वृक्षारोपण कार्य बड़े व्यवस्थित तरीके से किया गया है। वृक्ष लगाना सबसे बड़ा यज्ञ है।

इस अवसर पर जल शक्ति के ज्वाइंट सेक्रेट्री, नमामि गंगे के ई0डी0, इको टास्क फार्म के लेफ्टिनेंट कर्नल, ब्लाक प्रमुख सुरजीत सिंह, प्रधान घनश्याम यादव, सृजन सामाजिक न्याय के अनिल सिंह, राजेश शुक्ला सहित भारी संख्या में ग्रामीण, गणमान्य नागरिक व हजारों की संख्या में स्कूली बच्चे, एनसीसी कैडेट आदि उपस्थित रहे। वृक्षारोपण महाकुंभ के अवसर पर एनपीआरसी लोहता में अपर जिलाधिकारी नगर विनय कुमार सिंह ने पौधारोपण किया तथा इस अवसर पर परिसर में लगाए गए 545 पौधों की देखरेख के लिए उन्होंने विद्यालय के बच्चों को शपथ दिलाई।

काशी ने इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है। इससे काशी क्षेत्र हरा भरा और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर होगा। उन्होंने लोगो से अपील की, कि वे आगे आएं, हर व्यक्ति एक पौधे को गोद ले और उसका पोषण करे। आइये,आगे बढ़ अपनी धरती माँ को बचाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण सुनिश्चित करें।

जम्मू-कश्मीर और पड़ोसी देश

जम्मू-कश्मीर पर मोदी सरकार के अकस्मात लिए गए बड़े फैसले से देश की राजनीति में उथल-पुथल मची ही हुई है, और जैसा अंदेशा था पाकिस्तान ने भी इस पर कड़ी प्रतिक्रिया देने के साथ-साथ कुछ कड़े फैसले लिए हैं। जम्मू-कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के पहले छोड़ शेष सभी खंड खत्म किए जाने के बाद पाकिस्तान ने प्रधानमंत्री इमरान ख़ान की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक की, जिसमें भारत से राजनयिक संबंध सीमित करने और द्विपक्षीय व्यापारिक संबंध निलंबित करने की घोषणा की गई।

बैठक में तय किया गया कि पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस 14 अगस्त को कश्मीरियों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के रूप में मनाया जाएगा जबकि भारत के स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को काला दिवस मनाया जाएगा। पाकिस्तान ने अपने हवाई क्षेत्र का एक कॉरिडोर भी भारतीय उड़ानों के लिए बंद कर दिया है, जिससे भारतीय विमानों को अब थोड़ा लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। इसके बाद गुरुवार को पाकिस्तान ने अपने ट्रेन ड्राइवर और गार्ड को समझौता एक्सप्रेस के साथ भेजने से मना कर दिया है। अब भारतीय रेल ड्राइवर और गार्ड को जिनके पास वीजा है, उन्हें समझौता एक्सप्रेस को लेने भेजा जाएगा। इधर संरा में पाकिस्तान की राजदूत मलीहा लोधी ने इस मुद्दे को संरा में उठाया।

उन्होंने कहा कि आज मैंने संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के चीफ स्टाफ मारिया लुईसा रिबेरो वियोटी से मुलाकात की। उनके सामने कश्मीर पर भारत के फैसले के बारे में जानकारी दी और कहा कि सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का अनुपाल कराने के लिए यूएन को दखल देना चाहिए। इससे पहले पाक प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत के साथ युद्ध की आशंकाएं भी जाहिर की हैं।

पाकिस्तान इस वक्त हमसे आर्थिक और सामरिक तौर पर कमजोर है और पहले के 4 युद्धों में उसे हार का सामना ही करना पड़ा है। इस वजह से पाकिस्तान की इन प्रतिक्रियाओं को हम हल्के में ले सकते हैं। विशेषज्ञों का ये भी कहना है कि व्यापारिक संबंध तोड़ने से पाकिस्तान को ही अधिक नुकसान होगा, क्योंकि खाद्यान्न से लेकर कारखानों को चलाने वाले कई सामान वह भारत से आयात करता है। पाक सरकार भी इस बात को समझती ही होगी, लेकिन फिर भी वह इस तरह अपनी खिन्नता जाहिर कर रही है, ताकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान इस मसले पर आकर्षित हो। इस रणनीति में पाकिस्तान सामरिक शक्ति-संपन्न और तेल समृद्ध देशों को अपनी ओर करने की कोशिश करेगा। इसमें वह कहां तक कामयाब होता है, यह भविष्य बताएगा, लेकिन इसमें युद्धोन्मादी तत्वों और हथियार निर्माता कंपनियों को फिर अपनी चालें चलने के लिए खुला मैदान मिल सकता है।

बेशक भारत को यह हक है कि वह अपने आतंरिक मसलों पर अपनी इच्छा के फैसले ले, लेकिन मोदी सरकार ने जिस तरह पूरे जम्मू-कश्मीर को अंधेरे में रखकर, जनता को एक तरह से बंधक बनाकर यह फैसला लिया है, उसकी नाराजगी देर-अबेर प्रकट होगी ही। और कर्फ्यू, सैन्य गश्त या इंटरनेट, फोन बंद कर देने जैसे उपाय स्थायी तौर पर अपनाए नहीं जा सकते। जम्मू-कश्मीर के लोगों की नाराजगी को पाकिस्तान किस तरह भुनाता है या आतंकवादी संगठन अब नौजवानों को गुमराह करने के लिए कौन सी चालें अपनाते हैं, इस बारे में भारत सरकार को और सचेत रहना होगा। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख ये दो केंद्र शासित प्रदेश बनाने के मोदी सरकार के फैसले पर चीन भी अपनी आपत्ति जाहिर कर चुका है। लद्दाख में अक्साई चीन का हिस्सा चीन के कब्जे में है, और वह कुछ और इलाकों पर अपना दावा ठोकता है और इसके लिए चीनी सेना की ओर से घुसपैठ भी होती है। अब लद्दाख को अलग केंद्र शासित घोषित करने पर चीन आपत्ति दर्ज कर रहा है।

हालांकि भारत के विदेश मंत्रालय ने इन आपत्तियों को खारिज कर दिया है। लेकिन अभी चीन और भारत के बीच उच्च स्तरीय बैठकें होनी हैं। रविवार को विदेश मंत्री एस.जयशंकर चीन दौरे पर जाने वाले हैं और अक्टूबर में शी जिनपिंग मोदीजी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की यात्रा कर सकते हैं। ऐसे में लद्दाख पर विवाद द्विपक्षीय संबंधों पर असर डाल सकता है। पाकिस्तान और चीन, इन दो पड़ोसी देशों से भारत ने दुश्मनी के दौर देखें हैं, लेकिन इसके बावजूद पिछली तमाम सरकारों ने दोनों के साथ संबंध सुधारने की पहल भी जारी रखी।

मोदी जी ने भी अपने पहले कार्यकाल में पड़ोसी देश में शादी में शामिल होने से लेकर झूला झूलने तक सारी कोशिशें की हैं। क्योंकि पड़ोसियों के साथ स्थायी दुश्मनी अंततः हमारे लिए भी नुकसानदायक साबित होती है। उम्मीद है इस बार भी वे सीमाओं के आर-पार दोस्ती का संदेश देने की कोशिश करेंगे।

ब्याज दर में कटौती निष्प्रभावी होगी

डॉ. भरत झुनझुनवाला

सरकार के यह पूंजी खर्च दो तरह से अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। पहला, इन खर्चों से सीधे बाज़ार में मांग बनती है जैसे बिजली की ग्रिड बनाने के लिए स्टील के खम्बे लगाने पड़ते हैं और स्टील की खपत होती है। दूसरा, सरकार के पूंजी खर्च अर्थव्यवस्था में मोबिल आयल का भी काम करते हैं। जैसे यदि बिजली की ग्रिड सही हो गई तो उद्योगों को बिजली की क्वालिटी अच्छी मिलती है और उनकी उत्पादन लागत कम आती है।

रिज़र्व बैंक ने हाल में ब्याज दर में एक बार फिर कटौती की है। सोच है कि ब्याज दर न्यून होने से उपभोक्ता एवं निवेशक दोनों अधिक मात्र में ऋण लेंगे। उपभोक्ता ऋण लेकर बाइक खरीदेगा एवं निवेशक ऋण लेकर बाइक बनाने की फैक्ट्री लगाएगा। उपभोक्ता द्वारा बाजार से बाइक खरीदी जाएगी और उस बाइक को निवेशक द्वारा सप्लाई किया जायेगा। इस सुचक्र के स्थापित होने से देश में बाइक का उत्पादन बढ़ेगा और इसी प्रकार अन्य तमाम वस्तुओं का उत्पादन बढ़ेगा। देश की आय अथवा सकल घरेलू उत्पाद अथवा जीडीपी में वृद्धि होगी। लेकिन विचारणीय प्रश्न है बीते समय में रिज़र्व बैंक द्वारा कई बार इसी प्रकार की कटौती की जा चुकी है फिर भी अर्थव्यवस्था दबती ही जा रही है। अतः अर्थव्यवस्था के दबने के मूल कारण को समझने की ज़रूरत है।

अर्थव्यवस्था के संकट में आने पहला कारण सरकारी खपत में पर्याप्त कटौती का न होना है।

सरकार द्वारा दो प्रकार के खर्च किये जाते हैं- चालू खर्च एवं पूंजी खर्च। इन दोनों का योग वित्तीय खर्च होता है। दोनों प्रकार के खर्च के योग यानि वित्तीय खर्च को पोषित करने के लिए सरकार बाजार से जो ऋण लेती है उसे वित्तीय घाटा कहा जाता है। वित्तीय घाटा यह नहीं बताता कि ली गई रकम का उपयोग सरकार की खपत अथवा चालू खर्चों को पोषित करने के लिए किया गया है या उस रकम का उपयोग सरकार के पूंजी खर्चों के लिए किया गया है। वर्ष 1990-91 में सरकार का वित्तीय घाटा 7.6 प्रतिशत था जो कि 2019-20 में घटकर 3.5 प्रतिशत हो गया है। इसमें 4.1 प्रतिशत की कटौती हुई है। अब देखना यह है कि इस कुल कटौती में चालू खर्चों और पूंजी खर्चों में से कौन से खर्चों की कटौती की गई है। वर्ष 1990-91 में सरकार का पूंजी घाटा 4.4 प्रतिशत था और चालू घाटा 3.2 प्रतिशत था। इस प्रकार कुल वित्तीय घाटा 7.6 प्रतिशत था। वर्ष 2019-20 में सरकार का वित्तीय घाटा 3.5 प्रतिशत था, पूंजी घाटा 0.9 प्रतिशत एवं चालू घाटा 2.6 प्रतिशत था। इससे पता लगता है कि इन तीस वर्षों में सरकार का पूंजी घाटा 4.4 प्रतिशत से घटकर 0.9 प्रतिशत हो गया। इसमें 3.5 प्रतिशत की भारी कटौती हुई। तुलना में सरकार के चालू खर्च 3.2 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत हुए। इनमें 0.6 प्रतिशत की मामूली कटौती हुई। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार ने वित्तीय घाटे को नियंत्रण में करने के लिए सरकारी खपत में कटौती न करके सरकारी निवेश में कटौती की है। सरकारी निवेश यानी राजमार्गों, नहरों, बिजली के ग्रिडों इत्यादि के निर्माण में सरकार ने खर्च कम किये हैं जिसके कारण अर्थव्यवस्था दबी हुई है।

सरकार के यह पूंजी खर्च दो तरह से अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। पहला, इन खर्चों से सीधे बाज़ार में मांग बनती है जैसे बिजली की ग्रिड बनाने के लिए स्टील के खम्बे लगाने पड़ते हैं और स्टील की खपत होती है। दूसरा, सरकार के पूंजी खर्च अर्थव्यवस्था में मोबिल आयल का भी काम करते हैं। जैसे यदि बिजली की ग्रिड सही हो गई तो उद्योगों को बिजली की क्वालिटी अच्छी मिलती है और उनकी उत्पादन लागत कम आती है। तुलना में चालू खर्चों में सरकारी कर्मियों को वेतन अधिक दिए जाते हैं। इन वेतन का एक हिस्सा विदेश चला जाता है जैसे सोना खरीदने में या बच्चों को विदेशी शिक्षा दिलाने में।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि इस समय सरकारी पूंजी खर्च में कटौती के कारण अर्थव्यवस्था में मांग कम है और मोबिल आयल भी कम काम कर रहा है। साथ-साथ चालू खर्च में तुलना में कटौती न होने के कारण देश की पूंजी के एक हिस्से का विदेश को जाना जारी है। यह एक प्रमुख कारण है कि अर्थव्यवस्था दबी हुई है।

अर्थव्यवस्था के दबे रहने का दूसरा कारण हमारे द्वारा मुक्त व्यापार को अपनाना है। अपने देश में उत्पादन लागत ज्यादा आती है जसके कारण चीन में बना हुआ माल अपने देश में भारी मात्र में प्रवेश कर रहा है। चीन और भारत दोनों में भ्रष्टाचार व्याप्त है लेकिन भ्रष्टाचार के चरित्र में अंतर है। जानकार बताते हैं कि चीन में यदि आप किसी प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री कराने गए तो भ्रष्टाचार के माध्यम से आप रजिस्ट्री के कुल खर्च को कम करा सकते हैं। भ्रष्टाचार एक प्रकार से उद्यमी को लाभ पहुंचाता है। उसकी उत्पादन लागत को कम करता है। भारत के भ्रष्टाचार का चरित्र बिलकुल विपरीत है। यदि आप रजिस्ट्री कराने जाते हैं तो आपको भ्रष्टाचार का अतिरिक्त खर्च देना पड़ता है जिसके कारण आपकी लागत बढ़ती है। इसलिए हमारी उत्पादन लागत है जिसके ज्यादा होने के कारण हम चीन का सामना नहीं कर पा रहे हैं यद्यपि अपने देश में वेतन कम है। इस परिस्थिति में ब्याज दर में कटौती प्रभावी नहीं होगी चूंकि अपने देश में जो मांग उत्पन्न होगी भी उसकी पूर्ति चीन से आयातित माल द्वारा की जायेगी न की देश में बने माल से। अर्थव्यवस्था के दबे रहने का तीसरा कारण हमारा आधुनिकता के प्रति मोह है। सरकार चाहती है कि देश को विकसित देशों के समतुल्य बनाए लेकिन सरकार इस बात को नहीं समझ रही है कि अपने देश में बढ़ती जनसंख्या और भूमि की अनुपलब्धता के कारण हम विकसित देशों के मॉडल को यहां लागू नहीं कर पायेंगे। जैसे सरकार ने वाराणसी के घाटों पर नाविकों के लाइसेंस कैंसिल कर दिए जिससे कि बड़ी नावों का पर्याप्त व्यापार बढ़े। छोटी नाव अच्छी है या बड़ी नाव यह एक अलग विषय है; लेकिन इतना स्पष्ट है कि बड़ी नावों के चलने से रोजगार कम होगा और रोजगार कम होने से अर्थव्यवस्था में मांग कम होगी। नाविक बेरोजगार होंगे। उनके लिए ब्याज दर में कटौती निष्प्रभावी होगी। वे ऋण लेने को तैयार नहीं होंगे। हाल में रिज़र्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में की गई कटौती निष्प्रभावी होगी क्योंकि अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएं बिलकुल अलग हैं। ब्याज दर में कटौती उस वक्त लाभप्रद होती है जब अर्थव्यवस्था में प्राण हो, मांग हो, तो उस मांग में थोड़ी वृद्धि ब्याज दर में कटौती करके हासिल की जा सकती है। जैसे यदि व्यक्ति स्वस्थ हो तो सस्ता घी उसके लिए लाभप्रद हो सकता है लेकिन व्यक्ति अस्वस्थ हो तो सस्ते घी की कोई प्रासंगिकता नहीं रह जाती।

बड़ी खबर, बड़े बोल

सरकार ने पर्यटन विकास की जो नयी नीति घोषित की है, उसके तहत आगामी पांच वर्षों के दौरान बड़ी संख्या में होटल और रेस्त्रां की श्रृंखलाएं खड़ी होंगी और उन्हें पर्यटन विकास के साथ जोड़ा जाएगा।

योगी आदित्यनाथ
- मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

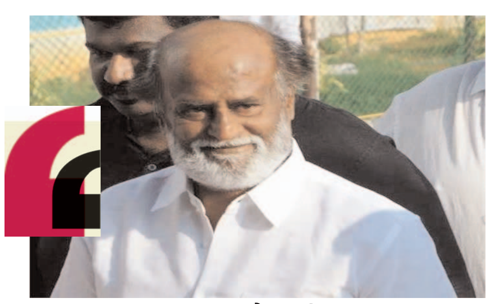

अमित शाह जी और मोदी जी कृष्ण-अर्जुन की जोड़ी की तरह हैं। हम नहीं जानते कि इनमें से कृष्ण कौन और अर्जुन कौन है, यह उनको ही पता है।

रजनीकांत - अभिनेता

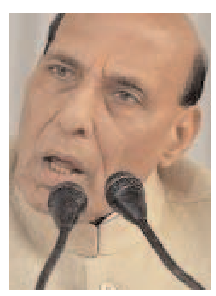

समस्या यह है कि आप अपने मित्र बदल सकते हैं पर पड़ोसी नहीं। मेरी प्रार्थना है कि किसी को हमारे जैसा पड़ोसी न मिले।

राजनाथ सिंह
- रक्षा मंत्री

पाकिस्तान आजाद का बयान वैश्विक मंचों पर प्रयोग करेगा। उनको फौरन अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

शाहनवाज हुसैन
- भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने बुरे दिनों में उनका साथ निभाया और वह कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए लगातार उन्हें प्रेरित करती रहीं।

सोनिया गांधी - कांग्रेस अध्यक्ष

पैसे देकर आप किसी को भी साथ ला सकते हैं। अजीत डोवाल की जम्मू कश्मीर यात्रा पैसे से आयोजित है।

गुलाम नबी आजाद
- कांग्रेस नेता

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान अंग्रेजों के जुल्मो सितम की कहानी

स्व. कुलदीप नायर

भारत अंग्रेजों के साम्राज्यवादी शासन से मुक्ति की वर्षगाँठ मनाने की तैयारी कर रहा है, ऐसे मौके पर उत्तर प्रदेश के धूल धूसरित शहर को याद करना उचित होगा जिसने 1942 में कुछ दिनों तक देश के आजाद होने की घोषणा करने के परिणाम भुगते। चित्तू पांडे के नेतृत्व में बलिया का सार्वभौम गणतंत्र करीब सात दिनों तक, तब तक अस्तित्व में रहा जब तक अंग्रेजों के नेतृत्व में आई सेना ने फिर से अपना नियंत्रण कायम नहीं कर लिया और अत्याचार का ऐसा सिलसिला चलाया जिसे उन लोगों के वंशज अभी तक याद रखे हैं जिनके साथ बलात्कार, पिटाई, गोलीबारी हुई, जिन्हें गोली से भून कर और आगजनी में मार दिया गया।

फ्लेचर नाम के एक अधिकारी के आदेश पर स्थानीय स्वतंत्रता आंदोलन के करीब 130 नेताओं को फांसी चढ़ा दिया गया। जिन लोगों को फांसी नहीं दी गई उन्हें जबरन पेड़ पर चढ़ाया गया और संगीनों से मार दिया गया। पेड़ वाली सजा से बच गए लोगों को जेल ले जाया गया और पैर से उल्टा लटका दिया गया। उन्हें भूखा मरने को छोड़ दिया गया। उलटा लटकने की सजा से बचे लोगों को जेल की फर्श पर एक साथ बिठाया गया और उन्हें ऐसी चपाती खिलाई गई कि वे पेचिश का शिकार हो गए।

बलिया औपनिवेशिक शासन की वास्तविकता से हमारी पहचान कराता है जिसमें भारतीयों जैसे छोटी नस्ल के लोगों को गोरे शासकों के हाथों ऐसे दुख सहने पड़े जो कल्पना से बाहर हैं। इन यातनाओं में कुछ ऐसी थीं जिनके परिणामस्वरूप मौत भी हो जाती थी, चाहे यह संगीन से चीर डालना हो या अंत में बर्फ की सिल्लियों पर घंटों लिटाने की यातना हो, ये सभी उनसे अलग नहीं थी जो नाजियों के हाथों यहूदियों ने सही।

अंतर सिर्फ इतना है कि जर्मनी के आउसविज जैसे स्थानों पर जो हुआ उन्हें दस्तावेजों में ठीक से दर्ज किया गया है और यातना शिविरों में जो कुछ हुआ उसके लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दी गई। अगर मित्र-राष्ट्र (जर्मनी के खिलाफ लड़ने वाले राष्ट्र) या नाजियों के बाद का जर्मनी हेग के अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में उन्हें सजा दिला नहीं पाए तो इजरायल के आधुनिक राष्ट्र ने इसे किया।

1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लेने वाली बलिया जैसी जगहों में किए गए अत्याचारों को दस्तावेजों में अभी तक पूरी तरह दर्ज नहीं किया जा सका है। आज तक कोई नहीं जानता कि कमिश्नर फ्लेचर के साथ क्या हुआ और क्या उसे कभी ढेर सारे निर्दोष नागरिकों की हत्या के लिए दोषी ठहराया गया।

इन दिनों कुछ इतिहासकारों के बीच यह बताने का फैशन है कि 200 सालों का औपनिवेशिक शासन उतना बुरा नहीं था और भारत ने जितना खोया उससे ज्यादा उसे मिला, पहले ईस्ट इंडिया कंपनी, जो तथाकथित भलेमानुस व्यापारियों के लिबास में ठगों का गिरोह था, के साथ मेलजोल और फिर ब्रिटिश सरकार से आमने-सामने होकर।

व्यवहार में, कंपनी और सरकार की क्रूरता और शोषण में ज्यादा फर्क नहीं था। एक छोटा उदाहरण काफी है। ब्रिटिश सरकार का ही एक प्रतिनिधि था जिसने महाराजा रणजीत सिंह के बेटे और उत्तराधिकारी, दलीप सिंह को धर्म परिवर्तन के लिए बाध्य किया। ये ब्रिटिश सरकार के ही अधिकारी थे, जिसमें लार्ड डलहौजी शामिल था, जिन्होंने लाहौर के खजाने की लूट का नेतृत्व किया और छोटी उम्र के दलीप सिंह पर दंतकथा बने कोहिनूर हीरे को महारानी विक्टोरिया को व्यक्तिगत रूप से भेंट करने के लिए दबाव डाला। आज यही कोहिनूर ब्रिटेन के राजा के ताज का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है।

गोरों के शासन के लाभ के मुद्दे पर लौटें। यह तर्क दिया जाता है कि आखिरकार अंग्रेज ही थे जिन्होंने भारतीयों की अंग्रेजी भाषा से पहचान कराई, देश में ढांचागत विकास किया, चाहे वह शहरों में नल का पानी, बिजली या नालियों की सुविधा हो या रेलवे और डाक-तार की नींव रखना हो। फिर यह अंग्रेज ही थे जिन्होंने महत्वपूर्ण धार्मिक तथा समाजिक सुधार किया, जैसे 1929 में सती तथा बाल विवाह का खात्मा और 1850 में विधवा विवाह का कानून लाना। लेकिन भारतीय सभ्य व्यक्तियों की तरह व्यवहार करने में सक्षम थे। जब अठारहवीं सदी में व्यापार के नाम पर ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपना नियंत्रण कम किया तो इसके अधिकारी किसानों से मिलने वाले टैक्स का तीन गुना वसूलते थे। ये टैक्स भयंकर अकाल के समय में भी बना रहता था। स्थानीय शासकों के समय में यह कितना अलग था और विपदा के समय टैक्स माफ हो जाता था।

गोरों के शासन के लाभ के मुद्दे पर लौटें। यह तर्क दिया जाता है कि आखिरकार अंग्रेज ही थे जिन्होंने भारतीयों की अंग्रेजी भाषा से पहचान कराई, देश में ढांचागत विकास किया, चाहे वह शहरों में नल का पानी, बिजली या नालियों की सुविधा हो या रेलवे और डाक-तार की नींव रखना हो। फिर यह अंग्रेज ही थे जिन्होंने महत्वपूर्ण धार्मिक तथा समाजिक सुधार किया, जैसे 1929 में सती तथा बाल विवाह का खात्मा और 1850 में विधवा विवाह का कानून लाना। लेकिन भारतीय सभ्य व्यक्तियों की तरह व्यवहार करने में सक्षम थे। जब अठारहवीं सदी में व्यापार के नाम पर ईस्ट इंडिया कंपनी ने अपना नियंत्रण कम किया तो इसके अधिकारी किसानों से मिलने वाले टैक्स का तीन गुना वसूलते थे। ये टैक्स भयंकर अकाल के समय में भी बना रहता था। स्थानीय शासकों के समय में यह कितना अलग था और विपदा के समय टैक्स माफ हो जाता था।

यह जानने लायक बात है कि दो सौ साल बाद बलिया में आजादी के आंदोलन के नेताओं ने ब्रिटिश प्रशासन के साथ कैसा व्यवहार किया। अंग्रेज अधिकारियों को और उनके स्थानीय चापलूसों को इकट्ठा किया गया और शांतिपूर्वक शहर के सिविल तथा मिलिट्री क्षेत्र को अलग करने वाली रेल लाइन के पार ले जाकर छोड़ दिया गया। किसी को कोई हानि नहीं पहुंचाई गई।

इससे भी ज्यादा प्रेरणादायक बात है हिंदुओं और मुसलमानों के बीच पूरी एकता बनी हुई थी। निश्चित ही था, जब ब्रिटिश वापस आए तो उन्होंने हर तरह के अत्याचार किए। वे नहीं चाहते थे कि बलिया में राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाए और उन्होंने उन लोगों को गोली मार कर हत्या कर दी जिन्होंने ऐसा करने की कोशिश की। शहर के धुंधलके से एक मुसलिम नौजवान आया और उसने एक झंडा लहराने की कोशिश की जो यूनियन जैक नहीं था तो उसे मार दिया गया। बलिया के लोग अभी भी इस पर गर्व करते हैं कि झंडा के जमीन पर गिरने के पहले एक दूसरे स्वयंसेवक ने राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतीक को सहारा देने का बीड़ा उठाया। करीब 11 लोग, एक के बाद एक अंग्रेज राज के सैनिकों की ओर से मारे गए।

महत्व की बात यह है कि बलिया के नागरिकों के विद्रोह के तेवर के बारे में ब्रिटिश मीडिया में कभी कुछ प्रकाशित नहीं हुआ। यह द्वितीय विश्वयुद्ध के समय हुआ जब विंस्टन चर्चिल प्रधानमंत्री थे। युद्ध जैसे ही खत्म होने को आया, उन्होंने कहा कि ब्रिटेन कभी भी भारतीय साम्राज्य को नहीं छोड़ेगा। उनकी रिकॉर्ड की हुई टिप्पणी है, मैं भारतीयों से नफरत करता हूं। वे जानवर जैसे लोग हैं, जिनका धर्म जानवरों जैसा है। महात्मा गांधी के बारे में भी उनकी इसी तरह की आहत करने वाली टिप्पणी थी यह देखना खतरनाक और उबकाई देने वाला है कि गांधी, एक राजद्रोही बैरिस्टर जो वैसे फकीर का नाटक कर रहा है जिसका रूप पूरब में काफी जाना-पहचाना है, सम्राट-राजा के प्रतिनिधि से बराबरी में बातचीत करने के लिए वायसराय के महल की सीढ़ियों पर अधनंगा चढ़ रहा है, इसके बावजूद कि वह सिविल नाफरमानी का अभियान संगठित कर रहा है और चला रहा है। चर्चिल यह अंदाजा नहीं लगा पाए कि बलिया ने ऐसी आग जलाई थी जिसने पांच साल बाद अपनी चपेट में लेकर भारत तथा इसके बाहर ब्रिटिश राज को नष्ट कर दिया।

राजस्थान को जल्द मिलेगा नया भाजपा अध्यक्ष, नामों पर हो रहा विचार

जयपुर।

राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी को नया प्रदेशाध्यक्ष जल्द मिलने की संभावना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार संसद का बजट सत्र समाप्त हो चुका है और अब केंद्रीय नेतृत्व इस पद पर नियुक्ति कर सकता है। इसी वर्ष 24 जून को मदन लाल सैनी के निधन के बाद से यह पद रिक्त है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार आगामी पंचायत एवं नगरपालिका चुनावों को देखते हुए पार्टी नये प्रदेशाध्यक्ष की घोषणा जल्द ही कर देगी। राज्य में दिसंबर में नगर निकायों एवं उसके बाद अगले साल शुरू में पंचायतों के चुनाव होने हैं। स्थानीय मीडिया में भाजपा के नये प्रदेशाध्यक्ष की पद की दौड़ में कई नाम सामने आ रहे हैं जिनमें सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़,विधानसभा में प्रतिपक्ष उपनेता राजेंद्र राठौड़ तथा विधायक सतीश पूनिया, वासुदेव देवनानी व मदन दिलावर शामिल है। हालांकि पार्टी के स्थानीय नेता किसी भी तरह का कयास लगाने से बच रहे हैं। उनके अनुसार शीर्ष नेतृत्व यहां भी कुछ 'सरप्राइज' दे सकता है।

पार्टी के प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने इस बारे में पूछे जाने पर कुछ दिन पहले भाषा से कहा था कि अभी तो हमारा सदस्यता पर ही जोर है। सदस्यता पूरी होने के बाद ही पार्टी का संविधान संगठन की चिंता करता है... चुनाव भी बाद में ही होंगे। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान के बाद सदस्यता सत्यापन आदि काम होगा। उसके बाद ही चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश एवं जिला स्तर पर संगठनात्मक चुनाव उसके बाद ही होंगे। प्रदेश पार्टी पदाधिकारी प्रमोद वशिष्ट ने बताया कि चुनाव के जरिए नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल के लिए होता है। लेकिन केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नियुक्ति किए जाने पर कार्यकाल की ऐसी कोई बाध्यता नहीं होती। उल्लेखनीय है कि पार्टी के सदस्यता अभियान का पहला चरण 20 अगस्त को समाप्त हो रहा है। इसके बाद पार्टी सदस्यता सत्यापन का काम करेगी।

भाजपा के सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक सतीश पूनिया के अनुसार प्राथमिक सदस्यता अभियान 20 अगस्त तक चलेगा। इसके साथ ही 12 से 30 अगस्त तक सक्रिय सदस्यता अभियान भी चलेगा। सक्रिय सदस्यता के सत्यापन के लिए समितियां बनाई गयी हैं। हालांकि पार्टी के नये प्रदेशाध्यक्ष की नियुक्ति व नये उनके कार्यकाल के बारे में स्थानीय नेता किसी भी टिप्पणी से बच रहे हैं। राजधानी में पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने संगठनात्मक बदलाव की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर मुस्कुराते हुए कहा, आप कुछ कयास लगा सकते हैं क्या?

याद रहे कि पिछले साल जब वसुंधरा राजे सत्ता में थीं तो विधानसभा चुनाव से पहले अशोक परनामी द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद यह पद लगभग ढाई महीने खाली रहा। तब यही कहा जा रहा था कि भाजपा अध्यक्ष अमित शाह एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तत्कालीन केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को प्रदेशाध्यक्ष बनाना चाहते थे लेकिन मुख्यमंत्री राजे इस नाम पर सहमत नहीं थीं। अंततः बीच का रास्ता निकालते हुए मदन लाल सैनी को प्रदेशाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गयी। राज्य सभा सदस्य सैनी का इस 24 जून को निधन हो गया। पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा के लिए राजस्थान ही संभवतः एकमात्र राज्य है जहां प्रदेशाध्यक्ष का पद खाली है। अब तक यही माना जा रहा था कि संसद का बजट सत्र खत्म होने के बाद पार्टी संगठनात्मक बदलाव पर ध्यान देगी और खाली पदों पर नियुक्तियां करेगी।

केंद्र सरकार का एजेंडा आर्थिक विकास से हटकर केवल राजनीति तक सिमट गया : ममता

कोलकाता।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का एजेंडा आर्थिक विकास से हटकर केवल राजनीति तक सिमट गया है। लोगों से देश की सही स्थिति से अवगत होने का आग्रह करते हुए उन्होंने कई पीएसयू का निगमीकरण करने के लिए केंद्र सरकार के कदम की आलोचना की। बनर्जी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा कि जून 2019 में समाप्त अंतिम तिमाही में नयी परियोजनाओं में निवेश 15 साल के सबसे निचले स्तर पर चला गया। जून 2019 तिमाही में घोषित नयी परियोजनाएं मार्च 2019 तिमाही में घोषित परियोजनाओं की तुलना में 81 प्रतिशत कम है और एक साल पहले इसी अवधि की तुलना में 87 प्रतिशत कम है।

बनर्जी ने कहा कि हर कोई यह देख सकता है और हमारा देश अभी कहां है, इस बारे में सही स्थिति से अवगत होना चाहिए। सरकार का एजेंडा अर्थव्यवस्था और विकास से हटकर राजनीति और केवल राजनीति तक सिमट गया है।

बनर्जी ने कहा कि हर कोई यह देख सकता है और हमारा देश अभी कहां है, इस बारे में सही स्थिति से अवगत होना चाहिए। सरकार का एजेंडा अर्थव्यवस्था और विकास से हटकर राजनीति और केवल राजनीति तक सिमट गया है। बनर्जी ने ऑर्डिनेंस फैक्टरी बोर्ड, बीएसएनएल और भारतीय रेलवे सहित कई पीएसयू का निगमीकरण करने के लिए केंद्र सरकार के कथित कदम की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि इससे लाखों-लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने ऑटोमोबाइल और चमड़ा सेक्टर में हाल में नौकरी जाने को दुखद बताया। उन्होंने कहा कि रोजगार के ज्यादा अवसर सृजित करने के एजेंडे के साथ सरकार सत्ता में आयी थी। अब हम देख रहे हैं कि जिनके पास रोजगार है, वे अपनी नौकरी गंवा रहे हैं।

नासा ने माना, संस्कृत की वजह से भविष्य में बोलने और चलने वाले कंप्यूटर बनेंगे : पोखरियाल

मुंबई।

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा है कि दुनिया की प्राचीन भाषा संस्कृत की वजह से ही भविष्य में बोलने और चलने वाले कंप्यूटर बनाए जा सकते हैं। मुंबई के एक कार्यक्रम में शनिवार को निशंक ने अमेरिकी स्पेस एजेंसी नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के हवाले से यह दावा किया। उनके मुताबिक, नासा और कई कंपनियां अगली पीढ़ी के कंप्यूटर तैयार करने के लिए संस्कृत की मदद ले रही हैं।

आईआईटी बॉम्बे के 57वें दीक्षांत समारोह में छात्रों को संबोधित करते हुए निशंक ने कहा, %%नासा का कहना है कि संस्कृत एक वैज्ञानिक भाषा है। इसे जैसा बोलते हैं, वैसा ही लिखा जाता है। इस दौरान उन्होंने ऋषि चरक को आयुर्वेद का जनक और ऋषि सुश्रुत को दुनिया का पहला शल्यक्रिया विशेषज्ञ (सर्जन) बताया।

निशंक ने चरक को अणु-परमाणु का खोजकर्ता बताया

हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने अणु और परमाणु की खोज का श्रेय भी ऋषि कणाद की बजाय चरक को दे दिया। निशंक ने पूछा- अणु और परमाणु का आविष्कार किसने किया था? खुद जवाब भी दिया- ऋषि चरक। इस पर हास्य कवि कुमार विश्वास ने ट्विटर पर प्रतिक्रिया दी।

राज्यसभा में अगले साल अप्रैल में बहुमत के करीब होगा सत्तापक्ष

नयी दिल्ली।

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा की अगुवाई वाले राजग को राज्यसभा में बहुमत नहीं होने के कारण तमाम विधेयकों को पारित कराने में जो मशक्कत करनी पड़ रही है, उससे निजात पाने के लिए सत्तापक्ष को अगले साल अप्रैल में उच्च सदन की रिक्त हो रही 52 सीटों पर चुनाव का इंतजार है.

अगले साल दो एवं नौ अप्रैल को राज्यसभा में 15 राज्यों के 52 सदस्य सेवानिवृत्त होंगे. इनमें राजग के घटक दलों में 15 भाजपा, तीन जदयू और चार अन्नाद्रमुक के हैं. इसके अलावा राजग में शामिल नहीं होने के बावजूद सदन में सत्तापक्ष का साथ दे रहे बीजद के भी दो सदस्य इसी समय सेवानिवृत्त होंगे. वहीं, विपक्षी दलों में कांग्रेस के 13, तृणमूल कांग्रेस के चार और राकांपा के दो सदस्य अपना कार्यकाल पूरा करेंगे. उल्लेखनीय है कि 245 सदस्यीय उच्च सदन में हाल ही में विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों के इस्तीफे के कारण आठ सीटें रिक्त हैं. भाजपा को रिक्त सीटों के लिए जल्द होने वाले उपचुनाव में भी पांच सीट जीतने का भरोसा है. इनमें उत्तर प्रदेश से सपा के तीन सदस्यों (नीरज शेखर, सुरेन्द्र नागर और संजय सेठ) के इस्तीफे के बाद शेखर को भाजपा ने उपचुनाव के लिए अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है.

समझा जाता है कि पिछले सप्ताह उच्च सदन की सदस्यता से त्यागपत्र देने वाले असम से कांग्रेस के भुवनेश्वर कालिता और सपा छोड़ने वाले

नेताओं को भी भाजपा उपचुनाव में उम्मीदवार बना सकती है. उच्च सदन में सपा के अब दस सदस्य बचे हैं. राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या फिलहाल 78 है. सदन में बहुमत के लिए उसे 223 सदस्यों की जरूरत है. गत सप्ताह समाप्त हुए मॉनसून सत्र में 'तीन तलाक% और जम्मू कश्मीर से जुड़े अहम विधेयकों पर सत्तापक्ष को बीजू जनता दल (बीजद), तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) और वाईएसआर कांग्रेस के प्रत्यक्ष समर्थन के अलावा सहयोगी दल जनता दल यू (जदयू), अन्नाद्रमुक तथा विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों की मतदान में अनुपस्थित मददगार साबित हुईं

अप्रैल में रिक्त हो रही 52 सीटों में सर्वाधिक सात महाराष्ट्र से, छह तमिलनाडु, पांच-पांच सीट पश्चिम बंगाल और बिहार से, चार-चार सीट गुजरात और आंध्र प्रदेश से तथा तीन-तीन सीट राजस्थान, ओड़िशा और मध्य प्रदेश से शामिल हैं. इन राज्यों की विधानसभा में दलीय स्थिति को देखते हुए भाजपा, जदयू एवं बीजद को राज्यसभा में अपनी सीटें बरकरार रखने का भरोसा है. इसके इतर हरियाणा से खाली हो रही दोनों सीटों पर भाजपा की नजर है. इनमें अगले साल दो अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे इनेलो के राम कुमार कश्यप पहले ही भाजपा में शामिल हो चुके हैं, जबकि विधानसभा में बहुमत को देखते हुए भाजपा, कांग्रेस की कुमारी शैलजा की रिक्त हो रही सीट अपनी झोली में डालने की कोशिश करेगी. उधर, पश्चिम बंगाल विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस का बहुमत होने के कारण पार्टी को राज्यसभा में रिक्त हो रही अपनी चारों सीटें बरकरार रखने का भरोसा है जबकि भाजपा, निर्दलीय सदस्य रीताब्रता बनर्जी की सीट वामदलों के पास जाने से रोकने की कोशिश करेगी.

अमित शाह का दावा- अनुच्छेद 370 को हटाने से कश्मीर में आतंकवाद खत्म होगा

चेन्नई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म करने से क्षेत्र में आतंकवाद का खात्मा होगा और क्षेत्र विकास के मार्ग पर आगे बढ़ेगा. उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू के दो साल के कार्यकाल पर एक किताब का यहां विमोचन करने के मौके पर शाह ने कहा कि उनका दृढ़ता से मानना था कि जम्मू कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाया जाना चाहिए क्योंकि इससे देश को कोई फायदा नहीं था.

उन्होंने कहा, 'मैं दृढ़ था कि अनुच्छेद 370 हटाया जाना चाहिए... अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर में आतंकवाद खत्म होगा और वह विकास के पथ पर आगे बढ़ेगा. साथ ही कहा कि इस कदम के बाद क्या होगा इस बारे में उनके मन में जरा भी भ्रम नहीं था. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा नीत सरकार ने इस देश को अनुच्छेद 370 से मुक्त कराया.

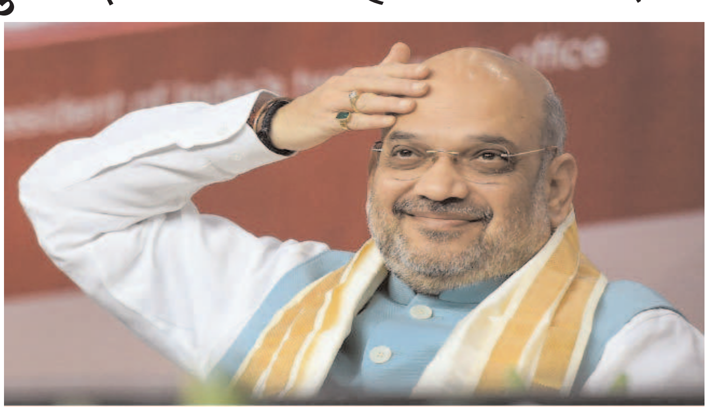

शाह ने जम्मू कश्मीर संबंधी विधेयक लाने के दौरान ऊपरी सदन में बने हालात से कुशलतापूर्वक निपटने के लिए राज्यसभा के सभापति नायडू को भी श्रेय देते हुए कहा कि उन्हें आंध्र प्रदेश के बंटवारे के दौरान बने हालात के दोहराने की 'आशंका थी. भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि सांसद होने के नाते उनके मन में जरा भी भ्रम नहीं था कि अनुच्छेद 370 को हटाया जाना चाहिए या नहीं.

उन्होंने किताब विमोचन के दौरान भारतीय बैडमिंटन कोच पी गोपीचंद की टिप्पणी का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने आंध्र प्रदेश का विभाजन कर तेलंगाना बनाने के मुद्दे के दौरान संसद में हंगामेदार दृश्यों के बारे में कहा. शाह ने कहा कि लोगों की स्मृति में अभी भी उसकी यादें ताजा है. उन्होंने कहा, 'मुझे थोड़ी आशंका थी कि कहीं मैं भी तो नहीं इस तरह के हंगामेदार दृश्यों का हिस्सा हो जाऊंगा.

उन्होंने नायडु के छात्र जीवन के समय की राजनीति और कश्मीर के संबंध में पार्टी की विचाराधारा को उनके समर्थन को भी याद करते हुए कहा कि एक बार एक कम्युनिस्ट प्रोफेसर ने उपराष्ट्रपति से सवाल किया था कि वह ऐसे राज्य के लिए क्यों संघर्ष कर रहे हैं जिसे उन्होंने देखा ही नहीं. शाह ने कहा, 'इस पर नायडू ने जवाब दिया था कि एक आंख दूसरे आंख को भले देख नहीं सकता लेकिन उसका दर्द महसूस किया जा सकता है.

370 पर रूस का भी दखल से इंकार, अलग-थलग पड़ा पाक

नयी दिल्ली/मॉस्को।

जम्मू-कश्मीर में ताजा बदलाव के बाद पाकिस्तान बौखला गया है. एक तरफ उसने भारत के साथ सभी द्विपक्षीय रिश्ते समाप्त करने की बात कही, तो दूसरी तरफ विश्व की बड़ी शक्तियों से दखल देने की मांग कर रहा है. हालांकि, उसे अब तक निराशा ही हाथ लगी है. अमेरिका, संयुक्त राष्ट्र, चीन के बाद अब रूस ने अनुच्छेद 370 को निष्प्रभावी करने को भारत

रूस के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत ने जम्मू -कश्मीर के दर्जे में बदलाव व उसका दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन भारतीय गणतंत्र के संविधान के ढांचे के तहत किया गया है.

का आंतरिक मामला माना है.

रूस के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत ने जम्मू -कश्मीर के दर्जे में बदलाव व उसका दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजन भारतीय गणतंत्र के संविधान के ढांचे के तहत किया गया है.

इस निर्णय से हमें कोई आपत्ति नहीं है. हम भारत-पाकिस्तान के बीच स्थिति सामान्य होने के पक्षधर हैं. उम्मीद है कि दोनों देशों के बीच जो भी मतभेद हैं, वे 1972 के शिमला समझौते और 1999 के लाहौर घोषणापत्र के प्रावधानों के अनुरूप राजनीतिक और कूटनीतिक तरीके से द्विपक्षीय आधार पर सुलझाये जाएं. रूस ने कहा - जम्मू-कश्मीर में भारत ने संविधान के तहत किया बदलाव, हमें दखल का नहीं अधिकार

अपने ही घर में घिरे इमरान खान

इधर, प्रधानमंत्री इमरान खान कभी संयुक्त राष्ट्र, तो कभी चीन का रुख कर रहे हैं, लेकिन वह अपने देश को ही एकजुट करने में नाकाम रहे हैं. पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टियां आपस में ही लड़-भिड़ रही हैं.

नेशनल असेंबली में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंक-झोंक हुई. पीएमएल-एन के अध्यक्ष और विपक्षी नेता शाहबाज शरीफ ने नेशनल असेंबली के संयुक्त सत्र के दौरान कश्मीर मसले पर इमरान पर जोरदार हमला बोला. कश्मीर के बहाने शाहबाज ने इमरान को घरेलू मामले पर भी घेरा.

हमारी नीति में कोई परिवर्तन नहीं : अमेरिका

इससे पहले अमेरिका कह चुका है कि कश्मीर पर उसकी नीति में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है. चीन ने शुक्रवार को पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से कहा कि भारत-पाक संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव और शिमला समझौते के माध्यम से ही कश्मीर मुद्दे को सुलझाएं.

विदेशी दखल के बिना देश का भविष्य तय करें : अशरफ गनी

अफगानिस्तान में शांति और स्थायित्व के लिए अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते के लिए चल रही कवायद के मद्देनजर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश की जनता से अपनी किस्मत का फैसला बिना किसी विदेशी दखल के करने की अपील की है।

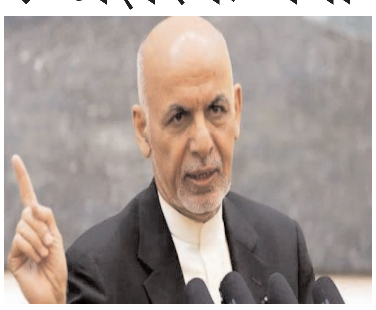

काबुल। अफगानिस्तान में शांति और स्थायित्व के लिए अमेरिका और तालिबान के बीच शांति समझौते के लिए चल रही कवायद के मद्देनजर अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने देश की जनता से अपनी किस्मत का फैसला बिना किसी विदेशी दखल के करने की अपील की है।

राष्ट्रपति ने ईद उल-अजहा के पर्व पर रविवार को जोर देकर कहा कि अगले महीने होने जा रहे राष्ट्रपति चुनाव बेहद अहम हैं। इससे कई वर्षों के युद्ध के बाद अफगानिस्तान के नेता के पास देश का भविष्य तय करने के लिए एक शक्तिशाली जनादेश होगा। इस बीच, कतर में अमेरिका और तालिबान के बीच शांति वार्ता जारी है। अमेरिकी वार्ताकार एक सितम्बर तक शांति समझौता करना चाहते हैं।

यमन में अलगाववादियों ने राष्ट्रपति भवन पर किया कब्जा, सरकार ने की निंदा

यमन में दक्षिणी अलगाववादियों ने बताया कि उन्होंने सरकार की वफादार सेना के साथ भीषण लड़ाई के बाद अदन में राष्ट्रपति भवन को अपने कब्जे में ले लिया है। सरकार ने इसकी निंदा करते हुए इसे संयुक्त अरब अमीरात समर्थित ''तख्तापलट'' बताया। यह लड़ाई अलगावादियों और सरकार की वफादार सेना के बीच गहरी खाई को दिखाती है।

अदन।

यमन में दक्षिणी अलगाववादियों ने बताया कि उन्होंने सरकार की वफादार सेना के साथ भीषण लड़ाई के बाद अदन में राष्ट्रपति भवन को अपने कब्जे में ले लिया है। सरकार ने इसकी निंदा करते हुए इसे संयुक्त अरब अमीरात समर्थित ''तख्तापलट'' बताया। यह लड़ाई अलगावादियों और सरकार की वफादार सेना के बीच गहरी खाई को दिखाती है। दोनों ने ही शिया हूती विद्रोहियों से लड़ाई लड़ी है। यमन के राष्ट्रपति अब्देरब्बो मंसूर हादी को हूती से लड़ रही सऊदी अरब के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना का समर्थन हासिल है।

हूती विरोधी गठबंधन में रियाद द्वारा प्रशिक्षित एक अन्य सेना को संयुक्त अरब अमरीत का समर्थन प्राप्त है। यह सेना बुधवार से अदन में सरकार की वफादार सेना से लड़ रही थी। संयुक्त अरब अमीरात के समर्थन वाली 'सिक्योरिटी बेल्ट फोर्स' के एक अधिकारी ने शनिवार देर रात बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया है। यह फोर्स सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) का समर्थन करती है जो दक्षिणी यमन को स्वतंत्र राज्य के रूप में बहाल करने का मांग करती है जैसे कि वह 1967 से 1990 तक के दौर मेंथा।

अधिकारी ने बताया, ''राष्ट्रपति गार्ड से दो सौ सैनिकों को भवन से सुरक्षित बाहर जाने दिया गया।'' यमन सरकार ने शनिवार देर रात एसटीसी और संयुक्त अरब अमीरात को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। यमन के विदेश मंत्रालय ने ट्विटर पर कहा, ''यमन अदन में वैध सरकार के खिलाफ तख्तापलट के लिए ट्रांजिशनल काउंसिल और संयुक्त अरब अमीरात को जिम्मेदार ठहराता है।''

भारत ने पाकिस्तान से करतारपुर कॉरिडोर पर जल्द बैठक बुलाने को कहा

नयी दिल्ली।

भारत ने पाकिस्तान को प्रस्तावित करतारपुर कॉरिडोर से जुड़े प्रमुख फैसलों को अमलीजामा पहनाने के लिये तकनीकी स्तर पर बैठकें करने के बारे में याद दिलाया है। अधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। भारत ने प्रस्ताव दिया था कि तकनीकी स्तर की बैठकें अगस्त के पहले सप्ताह में होनी चाहिए। हालांकि, सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान को इसका जवाब देना बाकी है, जिसके चलतेभारतीय पक्ष उसे इस बारे में याद दिलाना पड़ा।

भारत ने करतारपुर गलियारे के लिए व्यवस्थाओं को पूरा करने, अंतरिम संपर्क मार्ग के सरेखण (एलाइनमेंट) को अंतिम रूप देने, नोडल बिंदुओं के बीच तीर्थयात्रियों के बारे में जानकारी साझा करने और गलियारे के उपयोग से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निपटने संबंधी तंत्र विकसित करने के लिए बैठकों का आह्वान किया था। भारत ने करतारपुर कॉरिडोर के संचालन के लिए समझौते को अंतिम रूप देने के लिए एक प्रस्ताव भी साझा किया था।

भारत को उम्मीद है कि पाकिस्तान इस वर्ष नवंबर में गुरु नानक की 550वीं जयंती तक करतारपुर कॉरिडोर को तैयार करने के लिए इन प्रस्तावों पर तेजी से काम करेगा।

अनुच्छेद 370 हटने पर गुस्साए पाकिस्तान ने महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा तोड़ी

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर शहर में स्थित महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को दो लोगों ने क्षतिग्रस्त कर दिया। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। महाराजा रणजीत सिंह की नौ फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण लाहौर किले में जून में किया गया था।

पुलिस ने इस मामले के आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और देश के ईशनिंदा कानून के तहत उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जम्मू कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लिये जाने को लेकर आरोपी दोनों व्यक्ति क्रोधित थे। महाराजा रणजीत सिंह सिख साम्राज्य के नेता थे जिन्होंने 19 वीं शताब्दी में उपमहाद्वीप के पश्चिमोत्तर में शासन किया था।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के हटने पर विद्या कहती हैं कि 'कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने पर मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकती। मुझे लगता है कि इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। हां, मैं इतना जरूर कहूंगी कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर देश के हित में बड़ा कदम उठाया गया है। अब यह जरूरी है कि वहां के लोग भी इस फैसले को दिल से मानें।

हमें देश के वैज्ञानिकों पर गर्व है - विद्या बालन

बॉलीवुड में 6 बार नेशनल अवॉर्ड से नवाजी गई अभिनेत्री विद्या बालन इन दिनों अपनी जल्द रिलीज़ होने वाली फ़िल्म 'मिशन मंगल' के प्रमोशन में ज़ोर-शोर से जुटी हैं जिसके चलते अक्सर वो कई इवेंट्स में भी नज़र आ रही हैं। ऐसे में हाल ही में विद्या बालन ने हमसे देश और दुनिया में इस वक़्त चल रहे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिए गए 3 बेहद अहम फैसलों (चंद्रयान 2, तीन तलाक और आर्टिकल 370) पर खुलकर बात की और कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के इन तीनों अहम और बेहतरीन फैसलों से वह सहमत हैं और भारतीय होने के नातें इन फैसलों पर बेहद गर्व महसूस करती हैं।

फिल्म में विद्या बालन मिशन की प्रोजेक्ट डायरेक्टर तारा शिंदे के किरदार में नज़र आएंगी। विद्या ने इस फिल्म को बिना सोचने का समय लिए तुरंत हां कर दी थी। लंबे समय के बाद अक्षय से हुई मुलाकात से जुड़े सवाल पर विद्या कहती हैं कि उन्हें ऐसा लगा ही नहीं कि वो दोनों दस-बारह साल बाद काम कर रहे हैं। फिल्म के सेट पर अक्षय पहले जैसे ही हमेशा लोगों को परेशान करते और हंसाते रहते थे। एक बार तो उन्होंने मेरी साड़ी के पल्लू में चम्मच बांध दी थी और मैं काफी देर तक सोचती रही कि पल्लू भारी क्यों लग रहा है।

फिल्म से जुड़ने के सवाल पर विद्या कहती हैं कि मैंने ट्रेलर के लॉन्च पर भी कहा था कि ऐसी फिल्मों को बड़े पर्दे पर दिखाने की जरूरत है। हमें गर्व होता है जब हम सुनते हैं कि हमारे देश के वैज्ञानिकों ने इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल की है। दूसरा, आर बालकि और जगन ने जब ये स्क्रिप्ट मुझे सुनाई, तो मुझे इस कहानी को स्क्रीन पर दिखाने का उनका तरीका पसंद आया। इसके पहले भी इस तरह की तीन फिल्में मुझे ऑफर हो चुकी हैं, लेकिन मुझे वो स्क्रिप्ट पसंद नहीं आई थी।

फिल्म में इतने सारे कलाकारों के साथ कैसा कनेक्शन रहा? इस सवाल पर विद्या कहती हैं कि बहुत अच्छा रहा। हमलोग सेट पर बहुत बातें करते थे। कभी-कभी ऐसा लगता था जैसे ढ़ेर सारी सहेलियां हों, कभी दो तीन लोगों की गपशप की आवाज़ आती तो कभी बहुत सारे लोग एक साथ हंसते हुए नज़र आते। सबसे अच्छी बात है कि सभी एक दूसरे का बहुत सम्मान करते थे। फिल्म में जितनी भी अभिनेत्रियां हैं सभी ने अपना रास्ता खुद बनाया है। हर एक ने अपनी अलग आईडेंटी बनाई है।

फिल्म के लिए की गई तैयारी के सवाल पर विद्या कहती हैं कि इस फिल्म के लिए निर्देशक जगन शक्ती ने मुझे बहुत कुछ स्टडी करने के लिए दिया था जैसे साएंटिफिक टर्म आदि। हम एक्टर्स ज्यादा क्रिएटिव होते हैं और मेरा तो साइंस समझने वाला दिमाग है ही नहीं। लेकिन फिल्म में एक साइंटिस्ट का किरदार निभाने लिए मुझे साइन्स से जुड़ी भाषा समझनी पड़ी। इसके अलावा जगन की एक बहन हैं जो इसरो में काम करती हैं, मैं उनसे भी जाकर मिली थी क्योंकि मैं ये समझना चाहती थी कि एक महिला जो कि साइंटिस्ट भी हैं, वो घर पर जाकर कैसे अपनी जिम्मेदारियों को देखती है। काम तो हम सभी कर रहे हैं लेकिन एक महिला का साइंटिस्ट बनना भी बड़ी बात है। मैं समझना चाहती थी कि एक तरफ आपके सामने एक नेशनल मिशन है जिसपर दुनिया की नज़र है और दूसरी तरफ घर पर कोई बीमार है तो वो कैसे मैनेज करती है।

क्या आपको लगता नहीं कि चंद्रयान 2 का फायदा मिशन मंगल को मिल रहा है। इस पर विद्या कहती हैं कि मिशन मंगल के लिए पब्लिसिटी मिलने का इससे अच्छा मौका नहीं मिल सकता था लेकिन एक भारतीय होने के नाते मुझे गर्व है कि मैं मिशन मंगल से जुड़ सकी। प्रधानमंत्री द्वारा तीन तलाक पर लिए गए फैसले से भी विद्या सहमत नज़र आती हैं। वह कहती हैं कि निजी तौर पर मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं, लेकिन मैं इस तीन तलाक को लेकर हुए फैसले से सहमत हूं। मुझे यह गलत लगता है कि एक रात आदमी नाराज हो जाएं और गुस्से में तीन बार तलाक कह दें तो एक औरत कि जिंदगी का क्या होगा? मैं तो कहूंगी कि तीन तलाक पर आया फैसला महिलाओं के लिए बहुत ही महान फैसला है। आदमी औरत को एक ही झटके में अपनी जिंदगी से निकाल नहीं सकता।

जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 के हटने पर विद्या कहती हैं कि 'कश्मीर से आर्टिकल 370 हटने पर मैं ज्यादा कुछ नहीं कह सकती। मुझे लगता है कि इस बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। हां, मैं इतना जरूर कहूंगी कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाकर देश के हित में बड़ा कदम उठाया गया है। अब यह जरूरी है कि वहां के लोग भी इस फैसले को दिल से मानें।

मर्दानी-2 की रिलीज़ डेट का ऐलान, एक बार फिर दिखा रानी मुखर्जी का दमदार लुक

बॉलीवुड ऐक्ट्रेस रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 2 की रिलीज डेट सामने आ गाई है। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने ट्वीट कर इस बात की जानकारी दी है कि 'हिचकी' जैसी सुपरहिट देने के बाद रानी एक बार फिर से पूरे दमखम के साथ अपनी अगली फिल्म 'मर्दानी 2' को लेकर तैयार हैं। तरण आदर्श ने ट्वीट के जरिए खुलासा किया है कि यह फिल्म 13 दिसंबर 2019 को रिलीज होगी।

मर्दानी 2 में रानी आईपीएस ऑफिसर के रोल में नजर आएंगी। गोपी पुथरन के डॉयरेक्शन में बनी फिल्म मर्दानी 2 इस साल 13 दिसंबर को रिलीज हो रही है। इसके प्रोड्यूसर रानी के पति और यश चोपड़ा के बेटे आदित्य चोपड़ा हैं।

इस फिल्म में रानी का किरदार शिवानी शिवाजी रॉय का है। इस फिल्म में शिवानी एक ऐसे विलेन से भिड़ेंगी जो बेहद डरावना है लोग उसका नाम सुनते ही कांप उठते हैं। आपको बता दें कि 'मर्दानी' 2014 में रिलीज हुई थी जिसमें रानी शिवानी रॉय नाम की आईपीएस ऑफिसर का किरदार निभाया था जो नाबालिग लड़कियों की तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें मर्दानी 2 के अलावा रानी ने अपनी नई प्रोजेक्ट को लेकर कोई खुलासा नहीं किया है। बता दें कि रानी ने 2014 को आदित्य चोपड़ा से इटली में शादी की थी। शादी के काफी टाइम बाद रानी ने फिल्म हिचकी से बॉलीवुड में कमबैक किया और अब हिचकी के काफी समय बाद रानी मर्दानी 2 में नजर आएंगी।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता दक्षिण भारतीय अभिनेत्री कीर्ति सुरेश करेंगी बॉलीवुड डेब्यू

जान्हवी ने कीर्ति की तारीफ करते हुए कहा, आप राष्ट्रीय पुरस्कार के लायक हैं। यह एक वास्तविक संयोग है कि 'महानति' का शाब्दिक अर्थ है महान अभिनेत्री और कीर्ति उस उपाधि तक जीवित रहे। तेलुगु द्विभाषी फिल्म महानती 'दक्षिण की प्रसिद्ध अभिनेत्री सावित्री के जीवन पर आधारित एक उत्कृष्ट कृति है, जहां कीर्ति ने अभिनेत्री की शीर्षक भूमिका निभाई।

हाल ही में द्विभाषी दक्षिण क्षेत्रीय फिल्म 'महानति' में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार (2019) जीतन वाली दक्षिण भारत की अभिनेत्री कीर्ति सुरेश आगामी फिल्म में अजय देवगन के साथ स्क्रीन-स्पेस शेयर करने वाली हैं। उम्मीद है निर्देशक अमित शर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म जो कि एक प्रसिद्ध फुटबॉल कोच पर बायोपिक फिल्म होगी उसमें नज़र आ सकती हैं। बोनी कपूर और उनके निर्देशक अमित दोनों सुपर एक्साइटेड हैं कि उनकी नायिका कीर्ति ने इतना शानदार सम्मान जीता है। संयोग से अभिनेत्री जान्हवी कपूर, कीर्ति की बहुत बड़ी फैन हैं और दोनों बहुत अच्छी दोस्त भी हैं।

जान्हवी ने कीर्ति की तारीफ करते हुए कहा, आप राष्ट्रीय पुरस्कार के लायक हैं। यह एक वास्तविक संयोग है कि 'महानति' का शाब्दिक अर्थ है महान अभिनेत्री और कीर्ति उस उपाधि तक जीवित रहे। तेलुगु द्विभाषी फिल्म महानती 'दक्षिण की प्रसिद्ध अभिनेत्री सावित्री के जीवन पर आधारित एक उत्कृष्ट कृति है, जहां कीर्ति ने अभिनेत्री की शीर्षक भूमिका निभाई। दिलचस्प बात यह है कि कीर्थी (जो बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए रोमांचित हैं) प्रख्यात दक्षिण के निर्माता सुरेश कुमार और दक्षिण क्षेत्रीय अभिनेत्री मेनका की सुपर-टेलेंटेड बेटी हैं।

दीपिका पादुकोण का पहला सेमी न्यूड फोटोशूट

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी फिल्म '83' की शूटिंग में बिजी हैं। हाल ही में दीपिका ने फिल्म 'छपाक' की शूटिंग खत्म की है। इसी बीच दीपिका ने एक बोल्ड फोटोशूट भी करवाया है। फोटोग्राफर डब्बू रत्नानी ने ये फोटोशूट किया है । डब्बू ने दीपिका की तस्वीर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की है ।

बता दें कि ये एक सेमी न्यूड फोटोशूट है । फोटो शेयर करते हुए डब्बू ने कैप्शन में लिखा, 'ग्रेस एंड ब्यूटी' । इस तस्वीर में दीपिका काउच पर पोज देती दिख रही हैं। डब्बू ने बड़ी ही खूबसूरती से इस फोटो को शूट किया है। दीपिका का ये फोटोशूट डब्बू रत्नानी के कैलेंडर के लिए है ।

इससे पहले भी दीपिका ने वोग मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाया था । जिसकी कई सारी तस्वीरें दीपिका ने सोशल मीडिया पर शेयर की

दीपिका काउच पर पोज देती दिख रही हैं। डब्बू ने बड़ी ही खूबसूरती से इस फोटो को शूट किया है। दीपिका का ये फोटोशूट डब्बू रत्नानी के कैलेंडर के लिए है ।

थीं। बता दें कि दीपिका फिल्म 'छपाक' में एसिड सर्वाइवर लक्ष्मी का रोल प्ले कर रही हैं । इस फिल्म की डायरेक्टर मेघना गुलजार हैं। वहीं फिल्म '83' में दीपिका, कपिल देव की पत्नी का रोल प्ले करेंगी । यह फिल्म साल 1983 में हुए वर्ल्ड कप पर आधारित है। कुछ दिनों पहले रणवीर और दीपिका ने लंदन में शूटिंग की थी ।

'ब्रेस्टफीडिंग इस नॉट अ सेक्सुअल एक्ट' कहती हैं मीताली नाग

मैं अंत में एक बार और सभी के लिए घोषणा कर रही हूं कि स्तनपान एक यौन कार्य नहीं है। यह हाल ही में अभिनेत्री मिताली नाग सेलिब्रिटी हेयर स्टाइलिस्ट सपना भवनानी से कहती हैं कि उन्होंने अपने एक हालिया पोस्ट के जरिए ब्रेस्ट फीडिंग की तुलना अपने सेक्शुअल काउंटर पार्ट से की है।

मिताली नाग ने फेसबुक पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, केवल एक बीमार दिमाग अपने बच्चे को दूध पिलाने वाली माँ के स्तन की सुंदरता की तुलना सेक्स से कर सकता है ज सपना मोती भावनानी ने इस पोस्ट के साथ न केवल एक महिला की विनम्रता को नाराज किया है, बल्कि मातृत्व को भी शर्मसार किया है। !!!

में सारे माता और पिताओ से पूछना चाहती हु के क्या हम उनसे सार्वजनिक माफी की उम्मीद कर सकते हैं ???

मिताली, प्यारे से छोटे लड़के रुद्रांश की माँ आगे कहती हैं, सच्चाई यह है कि हमारा समाज सेक्स के प्रति जुनूनी है। कोई भी व्यक्ति स्तनपान जैसे सुंदरअधिनियम को यौन हास्य के लिए कैसे इस्तेमाल कर सकता है? जहाँ दुनिया भर में महिलाएँ अंतर्राष्ट्रीय स्तन फ़ीड सप्ताह मना रही हैं उनकी खुद की विभिन्न तस्वीरें इस्तेमाल करती है। न केवल हमारी सरकार बल्कि यूनिसेफ जैसी विश्व संस्थाएं स्तनपान कराने को बढ़ावा दे रही हैं। महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए सेलेब्रिटीज और प्रभावित लोग सबसे अच्छा काम कर रहे हैं और उन्हें कैसे इसके बारे में सचेत रहना चाहिए। अभिनेताओं ने सार्वजनिक संपत्तियों पर माताओं के लिए रिक्त स्थान की मांग करने का अभियान शुरू कर दिया है। अपने एक कार्यकर्ता होने के नाते, उन्हें इस तरह की पहल में मदद करनी चाहिए और कुछ शर्मनाक और अश्लील पोस्ट नहीं करना चाहिए।

टीपू सुल्तान : नायक या खलनायक?

राम पुनियानी

साम्प्रदायिक ताकतें, इतिहास का प्रयोग अपनी विभाजनकारी राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए करती आ रही हैं। महाराष्ट्र के एक शोध अध्येता सरफराज शेख ने अपनी पुस्तक सुल्तान-ए- खुदाद में टीपू सुल्तान का घोषणापत्र प्रकाशित किया है। इस घोषणापत्र में टीपू यह घोषणा करते हैं कि वे अपनी प्रजा के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे और अपनी आखिरी सांस तक अपने राज्य की रक्षा करेंगे। और उन्होंने यही किया।

हाल में कर्नाटक में दलबदल और विधायकों की खरीद-फरोख्त का खुला खेल हुआ जिसके फलस्वरूप, कांग्रेस-जेडीएस सरकार गिर गई और भाजपा ने राज्य में सत्ता संभाली। सत्ता में आने के बाद, भाजपा सरकार ने जो सबसे पहला निर्णय लिया वह यह था कि राज्य में टीपू सुल्तान की जयंती पर सरकारी आयोजन बंद किए जाएंगे। यह भी तय किया गया की टीपू की जयंती- 10 नवंबर - को काले दिन के रूप में मनाया जायेगा और इस दिन इस मध्यकालीन शासक के विरोध में रैलियां निकाली जाएंगी। मध्यकालीन इतिहास की अलग-अलग व्याख्याएं की जाती हैं और कई मामलों में, एक ही व्यक्ति कुछ समुदायों के लिए नायक और कुछ के लिए खलनायक होता है। टीपू के मामले में स्थिति और भी जटिल है। पहले, हिन्दू राष्ट्रवादी भी टीपू को नायक के रूप में देखते थे। सन् 1970 के दशक में, आरएसएस द्वारा प्रकाशित पुस्तिकाओं की श्रृंखला भारत भारती में टीपू का महिमागान किया गया था।

सन् 2010 में आयोजित एक रैली में, कुछ भाजपा नेता टीपू के भेष में अपने हाथों में तलवार लिए मंच पर विराजमान थे। हमारे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, जो कि आरएसएस की भट्टी में तप कर निकले हैं, ने कुछ ही वर्ष पूर्व टीपू के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा था कि टीपू ने उस काल में मिसाइलों का प्रयोग किया था। अब, जब कि कर्नाटक में साम्प्रदायिकता ने गहरी जड़ें जमा लीं हैं, टीपू को हिन्दू-विरोधी आततायी शासक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। पिछले कुछ समय से जहां कांग्रेस टीपू का इस्तेमाल मुस्लिम मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कर रही है वहीं भाजपा, हिन्दुओं के वोट हासिल करने के लिए टीपू के दानवीकरण में जुटी है। इस राजा के व्यक्तित्व और कार्यों के बारे में गहराई और निष्पक्षता से पड़ताल करने से यह साफ हो जाता है कि टीपू, दरअसल, अंग्रेजों की इतिहास की साम्प्रदायिक व्याख्या पर आधारित फूट डालो और राज करो की नीति का शिकार हुए। साम्प्रदायिक तत्व मध्यकालीन इतिहास की चुनिंदा घटनाओं को अनावश्यक महत्व देकर धर्म के आधार पर इस काल के राजाओं को नायक और खलनायक सिद्ध करने का प्रयास कर रहे हैं। सच यह है कि ये सभी राजा केवल अपने साम्राज्य को बचाए रखने और उसका विस्तार करने के लिए प्रयासरत थे और इसी उद्देश्य से उनमें से कुछ ने मंदिर तोड़े तो कुछ ने मंदिरों का संरक्षण किया।

टीपू सुल्तान, मुगल साम्राज्य के कमजोर होने के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी के बढ़ते प्रभाव से चिंतित थे। टीपू को अहसास था कि मुगलों के कमजोर पड़ने से ईस्ट इंडिया कंपनी की राह आसान हो गई है। उन्होंने मराठाओं, रघुनाथ राव पटवर्धन और निजाम से अपील की कि वे अंग्रेजों का साथ न दें। उन्हें एक विदेशी ताकत के देश में जड़ें जमाने के खतरे का अहसास था। मराठा और टीपू और निजाम और टीपू एक दूसरे के प्रतिद्वंद्वी थे। ये तीनों अपने राज्य का विस्तार करना चाहते थे। पटवर्धन की सेना ने सन् 1791 में मैसूर पर हमला किया और श्रृंगेरी मठ को लूट लिया। यह दिलचस्प है कि टीपू ने कीमती तोहफे भिजवाकर इस मठ का पुनरोद्धार किया। वे श्रृंगेरी मठ के मुख्य ट्रस्टी थे और इस मठ के स्वामी को जगद्गुरु कहकर संबोधित करते थे। अपने सैन्य अभियानों के पहले वे मठ के स्वामी का आशीर्वाद लिया करते थे। इसके साथ ही, यह भी सही है कि उन्होंने वराह मंदिर पर हमला किया था। इसका कारण स्पष्ट था। मंदिर का प्रतीक वराह (जंगली सुअर) था जो कि मैसूर के राजवंश का प्रतीक भी था। इसी राजवंश को सत्ताच्युत करके टीपू मैसूर के राजा बने थे। तो इस तरह टीपू सुल्तान ने श्रृंगेरी मठ का संरक्षण किया तो वराह मंदिर पर हमला किया। जाहिर है कि वराह मंदिर पर हमले को टीपू के हिन्दू-विरोधी होने का प्रमाण बताया जा सकता है। परंतु उनके निशाने पर हिन्दू धर्म न होकर वह राजवंश था जिसे उन्होंने युद्ध में पराजित किया था। इसी तरह, मराठाओं ने श्रृंगेरी मठ को इसलिए नहीं लूटा था क्योंकि वे हिन्दू धर्म के खिलाफ थे बल्कि उनके निशाने पर टीपू सुल्तान थे।

"सन् 2010 में आयोजित एक रैली में, कुछ भाजपा नेता टीपू के भेष में अपने हाथों में तलवार लिए मंच पर विराजमान थे। हमारे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, जो कि आरएसएस की भट्टी में तप कर निकले हैं, ने कुछ ही वर्ष पूर्व टीपू के साहस की प्रशंसा करते हुए कहा था कि टीपू ने उस काल में मिसाइलों का प्रयोग किया था। अब, जब कि कर्नाटक में साम्प्रदायिकता ने गहरी जड़ें जमा लीं हैं, टीपू को हिन्दू-विरोधी आततायी शासक के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। पिछले कुछ समय से जहां कांग्रेस टीपू का इस्तेमाल मुस्लिम मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए कर रही है वहीं भाजपा, हिन्दुओं के वोट हासिल करने के लिए टीपू के दानवीकरण में जुटी है।"

यह भी कहा जाता है कि टीपू ने फारसी को अपने दरबार की भाषा का दर्जा दिया और कन्नड़ को नजरअंदाज किया। तथ्य यह है कि उस काल में भारतीय उपमहाद्वीप के अधिकांश शासकों के दरबार की भाषा फारसी थी। शिवाजी ने मौलाना हैदर अली को अपना गुप्तचर मामलों का मंत्री इसलिए नियुक्त किया था ताकि वे अन्य राजाओं से फारसी में संवाद कर सकें। यह आरोप भी लगाया जाता है कि टीपू ने सैकड़ों ब्राह्मणों का इसलिए कत्ल कर दिया था क्योंकि उन्होंने मुसलमान बनने से इंकार कर दिया था। यह पूरी तरह से गलत है। इस संदर्भ में हमें यह भी याद रखना चाहिए कि टीपू के प्रमुख सलाहकार एक ब्राह्मण, पुरनैया थे। यह सारे झूठ अंग्रेजों द्वारा फैलाए गए थे क्योंकि टीपू, भारत में उनके राज के विस्तार की राह में चट्टान बनकर खड़े थे। यह आरोप भी लगाया जाता है कि टीपू ने कुछ हिन्दू और ईसाई समुदायों को प्रताड़ित किया। यह अंशतः सही है। उन्होंने इन समुदायों को निशाना इसलिए बनाया क्योंकि वे अंग्रेजों की मदद कर रहे थे, जो कि मैसूर राज्य के हितों के खिलाफ था। टीपू ने मुस्लिम माहदवियों को भी निशाना बनाया क्योंकि वे ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के घुड़सवार दस्ते में भर्ती हो रहे थे। दरअसल यह सब सत्ता का खेल था जिसका धर्म से कोई वास्ता नहीं था।

साम्प्रदायिक ताकतें, इतिहास का प्रयोग अपनी विभाजनकारी राजनीति को आगे बढ़ाने के लिए करती आ रही हैं। महाराष्ट्र के एक शोध अध्येता सरफराज शेख ने अपनी पुस्तक सुल्तान-ए- खुदाद में टीपू सुल्तान का घोषणापत्र प्रकाशित किया है। इस घोषणापत्र में टीपू यह घोषणा करते हैं कि वे अपनी प्रजा के साथ धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे और अपनी आखिरी सांस तक अपने राज्य की रक्षा करेंगे। और उन्होंने यही किया। अंग्रेजों से समझौता करने के बजाय उन्होंने उनसे लड़ते हुए अपनी जान गंवा दी। वे 1799 में चौथे आंग्ल-मैसूर युद्ध में मारे गए।

रंगमंच की दुनिया की महान शख्सियत गिरीश कर्नाड ने कहा था कि अगर टीपू हिन्दू होते तो उन्हें कर्नाटक में वही सम्मान और गौरव हासिल होता जो शिवाजी को महाराष्ट्र में है। आज भी मैसूर के गांवों में टीपू की बहादुरी का वर्णन करने वाले लोकगीत प्रचलित हैं।

हमें धर्म के आधार पर इतिहास के नायकों को बांटने से बचना चाहिए। बल्कि मैं तो यह मानता हूं कि हमारे अधिकांश नायक स्वाधीनता संग्राम के नेता होने चाहिए जिन्होंने आज के भारत को आकार दिया। हमें साम्प्रदायिक इतिहास लेखन के जाल में नहीं फंसना चाहिए।